सांध्य दैनिक
श्रीकंचनपथ
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 63 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 16 दिसंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

जहरीली शराब का कहर : बिहार में सारण के बाद अब सिवान में भी जहरीली शराब से मौतें

बैकफुट पर नितीश सरकार, शराबबंदी पर उठने लगे सवाल

पटना (एजेंसी)। बिहार के सारण के बाद अब सीवान से भी जहरीली शराब से मौतों का मामला सामने आया है। सीवान के भगवानपुर में 5 लोगों की कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मौत हो गई। सीवान में जहरीली शराब से मौत का मामला ऐसे वक्त पर सामने आया, जब पड़ोसी सारण जिले के छपरा में नकली शराब पीने से 53 लोगों की मौत हो गई। इस प्रकार बिहार के दो जिलों सारण और सीवान में अब तक कुल 58 लोगों की मौत हो गई है।

बताया जा रहा है कि भगवानपुर के ब्रह्मस्थान पंचायत के एक गांव में इन चार लोगों की मौत हुई है। यह गांव सारण में मशरक के बहरौली से सटा है। सारण के मशरक और इसुआपुर में ही जहरीली शराब पीने से 53 लोगों की मौत हुई है। पूर्ण शराबबंदी वाले राज्य बिहार जहरीली शराब पीने से अब तक 5८ लोगों की मौत हो गई। इसके कारण अभी भी कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जहरीली शराब पीने से हो रही मौतों को लेकर बिहार सरकार बैकफुट पर है। अब यहा शराब बंदी पर सवाल उठने लगे हैं। सरकार की सहयोगी पार्टी ही इस पर सवाल खड़े कर रही है। वहीं इस बीच मुख्यमंत्री नितीश कुमार के एक बयान भी चर्चा में है। मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा कि 'जो नकली शराब पिएगा वह तो मरेगा ही, लोगों को खुद ही सचेत रहना होगा।

बता दें इससे पहले बिहार के सारण में इसुआपुर और मशरक थाना क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से अब तक 53 लोगों की मौत हो गई। 2016 में नीतीश सरकार ने शराब की बिक्री और सेवन पर बैन लगाया था। शराबबंदी के बाद यहां पर अवैध रूप से शराब की बिक्री बढ़ी और लोग नशा करने के लिए नकली शराब तक पीने लगे हैं। शराब माफिया नकली शराब बनाकर धडल्ले से कमा रहे हैं। एक तरह से शराब के शौकीनों को शराब कहीं न कहीं से मिल ही जाती है लेकिन इससे सरकार को राजस्व की बड़ी हानि हो रही है। वहीं बिहार में जहरीली शराब से मौतों को लेकर विपक्ष सरकार की शराबबंदी को ही कारण मान रहा है।

इधर इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है, इसमें 31 पुलिसकर्मी हैं। इस मामले में पुलिस लगातार सारण जिले में छापेमारी कर रही है। अब तक 126 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इन लोगों से यह पता नहीं चल पा रहा है जहरीली शराब के लिए यही जिम्मेदार हैं। इस बीच खबर यह भी आ रही है कि जहरीली शराब थाने में रखी अवैध स्प्रिट चोरी करके बनाई गई थी। यानी सीधे पुलिस विभाग पर स्प्रिट को अवैध रूप से बेचने का आरोप लगाया जा रहा है। चर्चा है कि कुछ महीने पहले मशरक थाना पुलिस ने भारी मात्रा में स्प्रिट जब्त की थी। यहां से 210 लीटर स्प्रिट का ड्रम गायब है। इसी स्प्रिट से जहरीली शराब बनाए जाने की आशंका जताई जा रही है।

शराब पीने से हुई मौतों पर नहीं मिलेगा मुआवजा : नितीश कुमार

जहरीली शराब पीने से मरने वालों को लेकर भाजपा लगातार हमलावर है। इस बीच शुक्रवार को मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा कि शराब से मौत होने पर किसी को भी मुआवजा नहीं दिया जाएगा। उन्होंने एक बार फिर कहा कि शराब पियोगे तो मरोगे। सीएम नीतीश ने कहा कि किसी भी धर्म में शराब पीना अच्छी बात नहीं है। हम गरीबों को काम करने के लिए एक लाख रुपए दे रहे हैं कि भाई अपना काम करो, लेकिन लोग शराब पी रहे हैं। नीतीश ने कहा कि हम गरीबों के लिए काफी काम कर रहे हैं। शराबबंदी कोई मुद्दा नहीं है।

प्रशांत किशोर ने भी बोला नीतीश पर हमला

इससे पहले बीजेपी के अलावा उनके साथी रहे प्रशांत किशोर ने भी नीतीश पर हमला बोला। प्रशांत किशोर ने 48 घंटे के भीतर शराबबंदी कानून को रद्द करने की मांग की। उन्होंने बिहार सरकार के साथ महागठबंधन नेताओं पर भी हमला बोलते हुए कहा कि नीतीश कुमार के करीब रहने वाले लोग ही शराब पीते हैं, उनके पास शराब कहां से आ रही है। सरकार को शराब बंदी कानून को रद्द करने पर विचार करना चाहिए।

खास खबर...

मधुमक्खियों का हमला : नहर में कूदकर लोगों ने बचाई जान

कोरबा। कोरबा जिले के सीतामढ़ी शनि मंदिर के पास गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चील ने मधुमक्खी के छत्ते पर हमला कर दिया। मधुमक्खियों ने चील सहित आसपास से गुजर रहे राहगीरों पर हमला बोल दिया। एक के बाद एक राहगीर मधुमक्खी के हमले का शिकार होते गए। जैसे-तैसे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

लोगों को समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर मधुमक्खियां कहां से आ रही हैं और उसका छत्ता कहां पर है। जो भी शनि मंदिर मुख्य मार्ग से गुजरता, वह मधुमक्खी के हमले का शिकार हो जाता। मधुमक्खियां कई घंटों तक आतंक मचाती रहीं। मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए कुछ लोगों ने नहर में कूदकर तो कुछ लोगों ने किसी दूसरे के घर में छिपकर जान बचाई।

एक पीड़ित ने बताया कि शनि मंदिर के सामने फेरी लगाकर कपड़ा बेच रहा था, तभी उसके ऊपर मधुमक्खियों ने डंक मारना शुरू कर दिया। फेरीवाले ने अपनी बाइक छोड़कर मधुमक्खी नहर में छलांग लगा दी। नहर में थोड़ी दूर जाने पर मधुमक्खियों ने उसका पीछा छोड़ा। इसके बाद नहर से बाहर निकलकर उसने अस्पताल का रुख किया। इसी तरह आसपास से गुजर रहे राहगीरों को एक के बाद एक दर्जन भर लोगों को मधुमक्खियों ने घायल कर दिया।

बढ़ेगी ठंड : 3 दिन में 4-5 डिग्री कम हो जाएगा तापमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मौसम पर चक्रवाती तूफान का असर खत्म हो गया है। शुक्रवार को प्रदेश के कुछ जिलों में हल्के बादल छाए रहे। वहीं अधिकतर जिलों में मौसम खुल गया। बादल छंटने के बादअब तापमान में गिरावट का दौर शुरू होगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन दिनों के भीतर न्यूनतम तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। रायपुर मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी एच.पी. चंद्रा ने बताया, प्रदेश में उत्तर से ठंडे और शुष्क हवाओं का आगमन शुरू हो रहा है। 16 दिसम्बर को मौसम सूखा रहने की संभावना है। अगले 3 दिनों में प्रदेश के न्यूनतम तापमान में 4 से 5 डिग्री तक गिरावट होगी और प्रदेश में ठंड बढ़ेगी।

नौकरी के नाम पर करोड़ों की ठगी, यूपी से धराया ठग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नौकरी लगाने के नाम पर करोड़ों की धोखाधड़ी कर फरार आरोपियों को दुर्ग पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में दुर्ग पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक व छत्तीसगढ़ के सक्ति जिले से एक आरोपी को गरिफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपए के लेनदेन का खुलासा हुआ है। दोनों ने मिलकर कई लोगों को नौकरी के नाम चूना लगाया। दुर्ग एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने शुक्रवार को पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर -6 में इस मामले का खुलासा किया है।

एसपी पल्लव ने बताया कि थाना छावनी में पीडिता ने शिकायत करते हुए बताया कि अंकित कानपुर तथा नूतन सिंह निवासी कोरबा का रहने वाले ने मुलाकात कर घर आकर झांसा दिया था। दोनों ने कहा कि उनकी ऊपर के लोगों से अच्छी जान पहचान है। सभी जान पहचान वालो का शासकीय नौकरी, चपरासी, एस आई. बैंक में कलंक, विधुत विभाग, पुलिस विभाग व अन्य जगहों में नौकरी लगा सकते हैं। इस तरह 34,16,006 रुपये का घोखाधडी कर फरार हो गए। इस मामले में छावनी पुलिस ने धारा 420, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर जांच पड़ताल शुरू की थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी डॉ अभिषेक पल्लव ने बताया कि आरोपी अंकित सिंह के खाता स्टेटमेंट के एनालाइज से 1 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन मिला जिसमें 70 लाख रुपए ट्रांजेक्शन की पुष्टि हो चुकी तथा बाकि 30 लाख रुपए का ट्राजेक्शन संदेहास्पद है, जिसकी जांच पडताल जारी है।

दंतेवाड़ा में मुखबिरी के शक में युवक की गला रेतकर हत्या, दो दिन पहले किया था अपहरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र सरहदी क्षेत्र से नक्सलियों ने एक युवक का अपहरण कर गला रेतकर हत्या कर दी। नक्सलियों को शक था कि युवक पुलिस की मुखबिरी करता था। मुखबिरी के शक में अपहरण के बाद दो दनि तक उसे घुमाते रहे और उसके बाद उसकी हत्या कर शव को सड़क पर फेंककर भाग गए। शुक्रवार की सुबह स्थानीय ग्रामीणों से शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार मृत युवक का नाम एरपुंड निवासी जयराम कश्यप है। दो दिन पहले वह घर से निकला था उसके बाद वह वापस नहीं लौटा। इस संबंध में परिजनों ने थाने में शिकायत भी दर्ज कराई। आज सुबह युवक की लाश मालेवाही चौक के पास पाई गई। ग्रामीणों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी थी। युवक के शव के पास एक चिट्ठी भी मिली है जिसमें अमादाई एरिया कमेटी का जिक्र है जिन्होंने हत्या की जिम्मेदारी ली। बताया जा रहा है कि अपहरण के बाद दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के सरहदी इलाके में नक्सली युवक को घुमाते रहे और शुक्रवार सुबह हत्या कर शव को फेंककर भाग गए।

पाक विदेश मंत्री ने की पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी

- यूएनएससी में पाक के विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने पार की सारी हदें

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को घेरने में असफल रहे पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो ने अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निजी हमला बोला है। यूएनएससी में सारी हदें पार करते हुए पाक विदेश मंत्री ने पीएम मोदी और विदेश मंत्री पर आरोप लगाया है कि वो भारत के नहीं बल्कि आरएसएस के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल जरदारी भुट्टो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी सियासी हमले करने में जुटे हैं। गुरुवार को न्यू यॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिलावल ने सारी हदें पार कर दीं। भारत के विदेश मंत्री की ओर से 9/11 के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन को पनाह देने वाली टिप्पणी पर पाकिस्तान के मंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निजी हमला बोलते हुए कहा, 'मैं भारत को बताना चाहता हूं कि ओसामा बिन लादेन तो मर चुका है, लेकिन 'गुजरात का कसाई' अभी जिंदा है और भारत का प्रधानमंत्री है।

संयुक्त राष्ट्र की बैठकों में हिस्सा लेने न्यूयॉर्क पहुंचे भुट्टो ने एस जयशंकर पर हमला बोलते हुए कहा, मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले अमेरिका ने उनकी एंट्री पर बैन लगा दिया था। पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर पर आरोप लगाते हुए भुट्टो ने कहा कि दोनों भारत के नहीं, आरएसएस के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री हैं।

चीन से झड़प के बीच भारत ने की अग्नि-5 की सफल टेस्टिंग, 5 हजार किमी का लक्ष्य भेदा

नईदिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में चीनी सैनिकों से झड़प के 7वें दिन भारत ने अपनी सबसे ताकतवर मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण किया है। भारत ने गुरुवार को अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल की नाइट ट्रायल किया। एटमी ताकत वाली इस मिसाइल ने 5 हजार किलोमीटर दूर जाकर अपने टारगेट को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। अब पूरा एशिया,आधा यूरोप, रूस और यूक्रेन के साथ-साथ राजधानी बीजिंग सहित पूरा चीन अग्नि-5 की रेंज में आ गया है।

इस टेस्ट की टाइमिंग ही नहीं, खूबी भी बेहद खास है। दरअसल,

नई टेक्नोलॉजी और उपकरणों के साथ यह टेस्ट किया गया है। नए रूप में मिसाइल पहले की तुलना में काफी हल्की होगी। मिसाइल बनाने में इस्तेमाल की गई नई तकनीकों और उपकरणों की जांच करने के उद्देश्य से ही यह परीक्षण किया गया था। डिफेंस सोर्सेज के हवाले से बताया गया है कि इस ट्रायल ने साबित कर दिया है कि अगर जरूरत हुई तो अग्नि-5 की मारक क्षमता बढ़ाई जा सकती है।

देश की सबसे ताकतवर मिसाइल अग्रि-5 भारत की लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है, जो 5000 किमी दूर दुश्मन के ठिकाने को तबाह करने की ताकत रखती है। इस रेंज में पूरा चीन आ जाता है। कुछ रिपोर्टों में दावा किया जाता है कि यह 8 हजार किलोमीटर तक मार कर सकती है। यह मिसाइल 1500 किलोग्राम का न्यूक्लियर वॉरहेड लेकर उड़ सकती है।

लंबी दूरी की मिसाइलों में से एक है अग्नि

अग्नि-5 भारत की पहली और एकमात्र इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बनाया है। ये भारत के पास मौजूद लंबी दूरी की मिसाइलों में से एक है। इस मिसाइल की रेंज 5 हजार किलोमीटर है। अग्नि- 5 बैलिस्टिक मिसाइल एक साथ कई हथियार ले जाने में सक्षम है। ये मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल रीएंट्री व्हीकल से लैस है। यानी एक साथ कई टारगेट्स के लिए लॉन्च की जा सकती है।

स्वास्थ्य सेवाओं में यह लापरवाही डुबाएगी सरकार

चिकित्सा विज्ञान ने अब इतनी प्रगति कर ली है कि ब्रेन डेड महिलाएं भी महीनों बाद स्वस्थ शिशुओं को जन्म दे रही हैं। किडनी, लिवर गंवा बैठे लोग भी सालों साल जी रहे हैं। इससे रोगियों की उम्मीदें जागी हैं। मृत्यु भले ही शाश्वत सत्य हो, पर मरना कौन चाहता है। बीमारियों से मौत को बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। पर इस झमेले की एक अपनी कीमत भी होती है। हम केवल चिकित्सकीय सफलताओं की कहानियां पढ़ते हैं। हमारा ध्यान इसपर होने वाले खर्च की तरफनहीं जाता। बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना को खड़ा करने, उसका संचालन करने और सही टीम जुटाने में करोड़ों का निवेश होता है। विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवाएं नित नए कीर्तिमान गढ़ रही है पर वहां के मरीज इलाज कराने के लिए भारत जैसे देशों का रुख कर रहे हैं। इसका एकमात्र कारण चिकित्सा पर होने वाला खर्च है. हमारे देश में ही कई ऐसे शहर हैं जहां फार्मेसी वाले बिना डाक्टर की पर्ची के बुखार, सिरदर्द या दस्त तक की दवा नहीं देते। देश की एक बड़ी आबादी किसी तरह अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा कर पाती है. इसलिए शासकीय अस्पतालों के साथ ही निजी अस्पतालों में सस्ते इलाज और सस्ती दवाइयों का महत्व बहुत बड़ा हो जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किये हैं। जिला अस्पताल को मल्टी स्पेशालिटी, सुपर स्पेशालिटी बनाने से लेकर राज्य में 13 मेडिकल कालेजों की स्थापना, सीएचसी और पीएचसी का विशाल नेटवर्क खड़ा किया गया है। मोबाइल क्लिनिक श्रमिक बस्तियों में जाकर लोगों का इलाज कर रहे हैं। मोबाइल क्लिनिक की टीम में डाक्टर, नर्स, पैथोलॉजिस्ट सभी शामिल होते हैं. गरीब ग्रामीण बड़े बड़े निजी अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं।

पर इस खुशनुमा तस्वीर का एक स्याह पहलू भी है। अस्पताल केवल इमारतों या चिकित्सकों की नियुक्ति से नहीं चलने लगते। इसके लिए दवाइयों से लेकर उपभोग्य (कन्ज्यूमेबल) वस्तुओं की जरूरत पड़ती है। इसमें विभिन्न जांचों की लिए जरूरी केमिकल, फिल्म, बल्ब, डिस्पोजबल्स शामिल होते हैं। मेडिकल कालेज हॉस्पिटल रायपुर मेकाहारा राज्य के बड़े अस्पतालों की सूची में एक बड़ा नाम है। पूरे प्रदेश से प्रतिदिन दो से तीन हजार लोग यहां इलाज कराने पहुंचते हैं। इससे संलग्न इंदिरा गांधी कैंसर अस्पताल की भी दूर-दूर तक ख्याति है. पर अब यहां आवश्यक जांच की सुविधा बाधित होने लगी है। छोटी-छोटी जांचों के लिए गरीबों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटर जाना पड़ रहा है। यही हालत दवाइयों की है. जरूरी दवाइयों की पर्याप्त सप्लाई नहीं है। किसी तरह किराया भाड़ा जुगाड़ करके रायपुर पहुंचे मरीजों के लिए स्थिति किसी त्रासदी से कम नहीं। आरोप लगते रहे हैं कि कमीशन के चलते डाक्टर टेस्ट लिखते हैं, पर यह भी सत्य है कि यह एविडेंस बेस्ड चिकित्सा का दौर हैं जहां डाक्टर कोई रिस्क लेना नहीं चाहता। सरकार के लिए भी बेहतर यही होगा कि वह चिकित्सा नेटवर्क का विस्तार करने की बजाय उपलब्ध नेटवर्क को मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित करे। वरना जनहित की उसकी मंशा कभी पूरी नहीं होगी।

संपादकीय

भ्रष्ट को सजा

सर्वोच्च न्यायालय का भ्रष्टाचार पर आया फैसला न केवल सुखद, बल्कि अनुकरणीय भी है। किसी भ्रष्ट लोक सेवक के खिलाफ अगर प्रत्यक्ष सुबूत न भी हो, तो उसे परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर दंडित किया जा सकता है। अपने देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष की जो स्थिति है, उसमें यह फैसला बहुत महत्वपूर्ण है। शिकायत करने वाला अगर मुकर भी जाता है या किसी वजह से साक्ष्य के लिए उपस्थित नहीं होता है, तो भी भ्रष्ट लोकसेवक को सजा सुनाई जा सकती है। न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने जोर देकर कहा कि भ्रष्टों को दोषी ठहराए जाने की जरूरत है, ताकि प्रशासन और शासन दोष रहित और भ्रष्टाचार से मुक्त हों। संविधान पीठ ने गुरुवार को साफ कर दिया कि किसी लोकसेवक के खिलाफ भ्रष्टाचार का मुकदमा स्वत समाप्त नहीं हो जाएगा। आज लोगों के बीच आम धारणा यही है कि अगर शिकायत करने वाला मुकर जाए, तो मुकदमे की जान निकल जाती है और दोषी भी बरी हो जाता है। इस फैसले को अगर हम व्यापकता में देखें, तो देश में न्याय की संभावना बढ़ती हुई जान पड़ती है। इस संविधान पीठ में शामिल न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना, न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमण्यन और न्यायमूर्ति नागरत्ना को भी याद किया जाएगा। यह फैसला नजीर बन सकता है। भ्रष्टाचार हुआ है, तो इसकी पुष्टि के लिए परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर्याप्त हैं। संयोग से किसी साक्ष्य या गवाह की नामौजूदगी से अपराध कम नहीं हो जाता है। भ्रष्टाचार के मामलों में अक्सर देखा गया है कि दोषी भ्रष्टाचार का सहारा लेकर ही बच निकलते हैं। गवाह को मुकरने के लिए येन-केन-प्रकारेण तैयार कर लेने की परिपाटी किसी से छिपी नहीं है। यहां तक कि सजा से बचने के लिए गवाहों की हत्या का भी सहारा लिया जाता है। अदालती फैसलों में कई बार ऐसा संदेश सुनाई पड़ता है कि हमें पता है, अपराध हुआ है, पर चूंकि सुबूत नहीं हैं, इसलिए आरोपी को बाइज्जत बरी किया जाता है। अपराधियों को छोटे-छोटे संदेहों का सहारा लेकर भी खूब बचाया जाता है। भारत में आर्थिक अपराध के 30 प्रतिशत मामलों में भी सजा नहीं हो पाती है। सुबूतों का अभाव एक बड़ा कारण है। कई वकील तो सुबूतों में कमी खोजने या सुबूतों को अपर्याप्त साबित करने के लिए ही लाखों रुपये वसूलते हैं। आंध्र प्रदेश के इस मामले में निचली अदालत ने पहले यह कहा था कि यदि दोषियों के खिलाफ प्राथमिक साक्ष्य की कमी है, तो लोकसेवक को बरी किया जाना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में भी दोषी को बरी करने की मांग तब भी हो रही थी, जबकि उसे रंगे हाथ पकड़ा गया था। यह अच्छी बात है कि सरकार का नजरिया सकारात्मक था। सरकार की ओर से भी यही तर्क दिया गया कि प्रत्यक्ष या प्राथमिक साक्ष्य की कमी के चलते दोषी स्वत बरी नहीं होगा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दोटूक कहा कि भ्रष्टाचार देश को खोखला बना रहा है। यह राष्ट्रीय हित की जड़ पर प्रहार करता है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कड़े प्रावधानों को पूरा अर्थ मिलना चाहिए। वाकई, सुबूतों या गवाहों के साथ खिलवाड़ करके बचने की किसी भी आपराधिक कोशिश को माकूल जवाब मिलना ही चाहिए। बेशक, सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से इंसाफ और ईमानदारी के माहौल को बल मिलेगा।

" सर्वोच्च न्यायालय में भी दोषी को बरी करने की मांग तब भी हो रही थी, जबकि उसे रंगे हाथ पकड़ा गया था। यह अच्छी बात है कि सरकार का नजरिया सकारात्मक था। सरकार की ओर से भी यही तर्क दिया गया कि प्रत्यक्ष या प्राथमिक साक्ष्य की कमी के चलते दोषी स्वत बरी नहीं होगा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने दोटूक कहा कि भ्रष्टाचार देश को खोखला बना रहा है। यह राष्ट्रीय हित की जड़ पर प्रहार करता है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कड़े प्रावधानों को पूरा अर्थ मिलना चाहिए। वाकई, सुबूतों या गवाहों के साथ खिलवाड़ करके बचने की किसी भी आपराधिक कोशिश को माकूल जवाब मिलना ही चाहिए।

चुनाव से पहले नीतीश कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं?

यह ठीक है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के नेता और अपने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकार बता दिया है। उन्होंने खुले शब्दों में कहा है कि बिहार के लिए अब आगे का काम तेजस्वी करेंगे। फिर विधानसभा में उन्होंने कहा कि 2025 का चुनाव तेजस्वी का नेतृत्व में लड़ा जाएगा। पर लाख टके का सवाल है कि नीतीश कुमार अगले चुनाव से पहले कुर्सी छोड़ेंगे या नहीं? वे अपनी कुर्सी छोड़ कर विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी के नता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे या नहीं?

अगला चुनाव तेजस्वी की कमान में लड़ना एक बात है लेकिन वह कमान कैसी होगी? राजद और जदयू का गठबंधन तेजस्वी को मुख्यमंत्री का चेहरा बना कर चुनाव लड़ेगा या बतौर मुख्यमंत्री तेजस्वी चुनाव में उतरेंगे? राजद और जदयू के नेता इसे कोई बड़ी बात नहीं मान रहे हैं। राजद वाले खुश हैं कि नीतीश कुमार ने भतीजे तेजस्वी के लिए रास्ता खाली कर दिया। पर रास्ता खाली कहां हुआ है? अगर नीतीश ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहेंगे तो तेजस्वी के लिए 2025 का चुनाव आसान नहीं होगा। वैसे भी 2025 के चुनाव के बाद क्या समीकरण बनेगा और एक दर्जन पार्टियों वाले राज्य बिहार में सीटों का क्या समीकरण उभरता है यह कौन जानता है!

एक बड़ा सवाल यह भी है कि जब नीतीश कुमार पूरे देश की राजनीति करनी है और विपक्ष को एकजुट करके 2024 में भाजपा को हरान है, भाजपा मुक्त भारत बनाना है तो क्या यह काम वे बिहार का मुख्यमंत्री रहते ही करेंगे या मुख्यमंत्री पद उसी समय छोड़ देंगे? अगर उनको मोदी के लिए चुनौती तैयार करनी है तो कायदे से उनको मुख्यमंत्री पद छोड़ कर लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहिए और फ्रंट से लीड करना चाहिए। अगर वे कह रहे हैं कि भाजपा को हराने के लिए वे जो मोर्चा बना रहे हैं वह कोई थर्ड फ्रंट नहीं होगा, बल्कि मेन फ्रंट होगा तो उसके फ्रंट में तो खुद उनको होना होगा।

नीतीश कुमार 2024 में मोदी को हराने की बात कर रहे हैं और तेजस्वी के 2025 में कमान संभालने की बात कर रहे हैं तो यह बात कुछ जमती नहीं है। इसका यह भी मतलब है कि वे खुद ही 2024 की सफलता को लेकर आश्वस्त नहीं हैं और इसलिए उसके बाद भी सीएम की कुर्सी पर जमे रहना चाहते हैं। अगर उनको 2024 के लिए भरोसा है तो तेजस्वी को डेढ़ साल और क्यों इंतजार कराना है? वे पहले ही उनको सीएम बना दें और डेढ़ साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद तब तेजस्वी 2025 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन का नेतृत्व करें! अगर ऐसी नहीं होता है तो नीतीश कुमार की मंशा पर सवाल उठते रहेंगे। तभी बिहार भाजपा के नेताओं ने कहा है कि अगर 2024 में नीतीश का अभियान कामयाब नहीं होता है तो वे फिर पलटी मार सकते हैं।

> **"** ठीक दस साल पहले, हमने 23 वर्षीय उस लड़की को 'भारत की बेटी' के रूप में पहचाना था, उसे 'निर्भया' कहकर श्रद्धांजलि दी थी, लेकिन उसके बाद हमने क्या किया?

बेटियों के हक-हुकूक का अब जो हाल है

नमिता भंडारे

हम तब बहुत गुस्से में थे, पर उम्मीद से भरे हुए। दस साल पहले, 16 दिसंबर को दिल्ली में 23 वर्षीय छात्रा के साथ हुए जघन्य सामूहिक बलात्कार ने दसियों हजार लोगों को सड़कों पर ला खड़ा किया था। न्याय के पक्षधर लोग आंसू गैस, पानी की बौछारों और ठंड से बेपरवाह थे। इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान गया था। संसद में भी गुस्सा उमड़ पड़ा था। एक न्यायिक आयोग गठित हुआ था। बलात्कार की कानूनी परिभाषा का विस्तार हुआ था। तब मौत की सजा, फास्ट-ट्रैक कोर्ट, हिंसा, लिंगभेद और बदलाव पर मैंने खूब लिखा था।

मगर उसके बाद के दशक के आंकड़ों को देखिए, तो न सिर्फ बलात्कार, बल्कि महिलाओं के खिलाफ हर तरह के अपराध की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। बेशक, इस तर्क में दम है कि बढ़ती आबादी के चलते भी अपराधों में वृद्धि नजर आती है। अपराध दर्ज कराने का चलन भी बढ़ा है, लेकिन आज हो रही अकथनीय हिंसा की भला क्या सफाई है? अब भी लड़कियों को पेड़ों से लटका दिया जाता है, जलाकर मार दिया जाता है या अंतड़ी निकाल दी जाती है। हम ऐसे अपराधों की भयावहता पर आए दिन स्तब्ध होते रहते हैं।

ठीक दस साल पहले, हमने 23 वर्षीय उस लड़की को 'भारत की बेटी' के रूप में पहचाना था, उसे 'निर्भया' कहकर श्रद्धांजलि दी थी। जब वह अस्पताल में अंतिम सांसें गिन रही थी, तब उसने अपनी मां के लिए संदेश लिखा था, 'मां, मैं जीना चाहती हूं'। वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने तब कहा था, 'इसके विपरीत कल्पना करके देखिए, जब महिलाएं कहती हैं कि मैं शर्म से मर जाना चाहती हूं। उसके साथ जो कुछ भी किया गया, बावजूद इसके, उसके पास जीने की हर वजह थी और हक था।

उस लड़की को बचाने में नाकामी पर सामूहिक शर्म के चलते कई कानून पारित हुए। हमने अपराध-उम्र सीमा घटाकर 16 कर दी, पर अब भी सोशल मीडिया के प्रसार के साथ, 15 साल या उससे कम उम्र के लोग भी भयानक अपराध कर रहे हैं और हमारे पास समाधान नहीं है। हमने संबंध बनाने की सहमति की उम्र बढ़ाकर 18 साल कर दी, पर चिंता कायम है। 2014 के बाद यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज किए गए सभी मामलों में से लगभग 70 फीसदी अब भी इंसाफ के इंतजार में हैं।

बीते दस वर्षों में महिलाओं की पुलिसिंग भी बढ़ी है। आठ राज्यों में लव जेहाद संबंधी कानूनों के पीछे यह धारणा है कि आज की वयस्क महिलाएं भी विवेकपूर्ण विकल्प चुनने में अक्षम हैं। शायद इसीलिए, केरल उच्च न्यायालय ने 24 वर्षीय हादिया से कहा कि उसे अपने पिता के संरक्षण में तब तक रहना चाहिए, जब तक वह उचित रूप से विवाहित न हो जाए। भारत की बेटियों के प्रति खाप मानसिकता विश्वविद्यालयों में भी जगह पाती है, जहां महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर छात्रावास के नियम भेदभावपूर्ण बनाए जाते हैं।

वैसे 2012 के बाद के वर्षों में अनेक बड़े बदलाव भी हुए हैं। गर्भपात, एलजीबीटी समुदाय के लिए समान विवाह अधिकारों की मांग हुई है। मैरिटल रेप को अपराध की श्रेणी में लाने की मांग तेज हुई है। तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने की मांग सबसे पहले मुस्लिम महिलाओं ने ही उठाई थी। अब उच्च शिक्षा में पहले से कहीं ज्यादा लड़कियां हैं। आज किशोरियां तो सबसे महत्वाकांक्षी पीढ़ी है, जो हवाई जहाज उड़ाने या सशस्त्र बलों में शामिल होने का सपना देखती है। इन तरक्कियों को देख ऊर्जा बढ़ जाती है, लेकिन रुकावटें भी कायम हैं। भारत के मी-टू आंदोलन ने अपने जोश-जुनून से चौंका दिया था। 16 साल तक ठंडे बस्ते में रखने के बाद भारत ने 2013 में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने संबंधी कानून पारित किया। उसके पांच साल बाद सैकड़ों महिलाओं ने कार्यस्थल पर यौन शोषण की घटनाओं को साझा करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया, पर शायद इस अभियान को बंद करना आसान था। एक न्यायमूर्ति को उनके साथियों ने ही बरी कर दिया। अन्य आरोपियों ने आपराधिक मानहानि के रास्ते को अपने बचाव के लिए चुना।

ध्यान रहे, 2012 में किसी ने भी बलात्कारियों या पीड़िता के धर्म के बारे में नहीं पूछा था, लेकिन अब प्रतिक्रियाएं विचारधारा आधारित हो गई हैं। 2018 में कठुआ में एक बच्ची से सामूहिक बलात्कार, यातना और हत्या के मामले में स्थानीय बार एसोसिएशन ने पुलिस को आरोप पत्र दाखिल करने से रोक दिया था। बच्ची के नहीं, बल्कि बलात्कारियों के समर्थन में मार्च का आयोजन हुआ था। श्रद्धा वॉकर को उसके मुस्लिम बॉयफ्रेंड ने निर्ममता से मार डाला, यह एक पक्ष के लिए लव जेहाद है, तो दूसरे कई लोग हिंदू पुरुषों के अपराध खोजने-गिनाने में लग गए।

आज शोरगुल में गुम अनेक कहानियां हैं, जो कही नहीं जाती हैं। तीन में से एक महिला को पति या परिवार के सदस्य पीटते हैं, सिर्फ 14 प्रतिशत महिलाएं किसी को इसकी सूचना देती हैं। ऐसी हिंसा खबर नहीं बनती। मानकर चला जाता है कि पुलिस ऐसे निजी मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगी। माता-पिता शर्मिंदगी से बचने के लिए बेटियों को समझौते की सलाह देते हैं! दलित व आदिवासी लड़कियों-महिलाओं के आए दिन उत्पीड़न पर कोई नहीं चौंकता। जल्दबाजी में पुलिस किसी पीड़ित-मृत लड़की का अंतिम संस्कार तक कर देती है। यह हकीकत है, आज न्याय के लिए बहुत सारी लड़कियां अकेले लड़ रही हैं। बिलकिस बानो के लिए कोई सामूहिक समर्थन नहीं है।

दरअसल, कमी कानूनों में नहीं है। यह पितृसत्ता है, जिसे मिटाने की इच्छाशक्ति का प्रदर्शन सरकार, पुलिस और न्यायपालिका सहित किसी भी पक्ष ने नहीं किया है। यह कोई 'रॉकेट साईंस' नहीं है। पाठ पुस्तकों में लैंगिक रूढ़ियों को बदलिए। सहमति की चर्चा कीजिए। बेटियों से अपेक्षा के बजाय बेटों से भी कपड़े धुलवाइए। मांग कीजिए, ताकि सरकारें बुनियादी ढांचे व सुविधाओं में सुधार करें, सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं की भी पुरुषों के समान आवाजाही हो। अधिक से अधिक पुलिस थानों में महिला डेस्क हो। शिक्षकों, पुलिस, विधायकों, न्यायाधीशों को अनिवार्य रूप से संवेदनशील बनाया जाए। जब तक हमारी सोच नहीं बदलती, तब तक हमारे लिए कुछ नहीं बदलेगा। जब तक पुरुष यह स्वीकार नहीं करते और यह नहीं समझते कि अब यथास्थिति जारी नहीं रह सकती, तब तक कुछ नहीं बदलेगा। किसी कामचलाऊ इंतजाम की जरूरत नहीं है। हमें सुरक्षा का नया खाका चाहिए।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

रजामंदी की राह पर चलकर ही बने समान नागरिक संहिता

वियय विद्रोही, वरिष्ठ पत्रकार

एक बार फिर समान नागरिक संहिता, यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) का मसला चर्चा में है। पहली बार संसद में इसे निजी सदस्य विधेयक के रूप में चर्चा के लिए स्वीकृत किया गया है। हैरानी की बात है कि जिस भाजपा की पांच-पांच राज्य सरकारें समान नागरिक संहिता को लागू करने की दिशा में बढ़ रही हैं, जिस भाजपा के राष्ट्रीय संकल्प पत्र में इसे लागू करने के प्रति दृढ़ता दिखाई गई है, उसी भाजपा की केंद्र सरकार संसद में इस पर विधेयक नहीं लाती है, बल्कि अपने एक राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के बिल का समर्थन करती है। यहां यह बताना जरूरी है कि अगर किरोड़ी लाल मीणा का बिल पास हो भी गया, तब भी यह तब तक कानून का रूप नहीं ले पाएगा, जब तक केंद्र सरकार उसे अधिकृत सरकारी बिल का दर्जा नहीं देती। ऐसे में, सवाल है कि यह माजरा आखिर है क्या? क्या इस संहिता को लागू करने को लेकर गंभीरता नहीं है? क्या हिंदुओं के एक वर्ग, आदिवासियों, जैन, ईसाई, पारसी, बौद्ध जैसे अल्पसंख्यकों को नाराज करने का जोखिम चुनावी साल में उठाया जा सकता है?

शादी, तलाक, वारिस और गोद लेना- इन चार से समान नागरिक संहिता का लेना-देना है। गोवा में यह आंशिक रूप से लागू है, जो पुर्तगाली कानून से जुड़ा हुआ है। पुडुचेरी में भी फ्रांस का यूसीसी आंशिक रूप से लागू है। कहा जा रहा है कि पूरे देश में अगर अपराध के लिए एक समान कानून है, तो अन्य मामलों में भी ऐसा होना चाहिए। यहां कुछ जानकारों का कहना है कि पर्सनल लॉ में सुधार की गुंजाइश निकाली जा सकती है, यानी अलग-अलग धर्मों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार देने की पहल धर्म विशेष से ही शुरू की जा सकती है। यह सुझाव 21वें विधि आयोग ने भी दिया था। यह वही आयोग था, जिसका गठन खुद मोदी सरकार ने किया था। इसी आयोग ने कहा था कि भारत में इस समय समान नागरिक संहिता न तो वांछित है और न ही व्यावहारिक। आयोग ने अलग-अलग धर्मों पर ही यूसीसी जैसे सुधार करने की जिम्मेदारी डालने की सिफारिश की थी। कुछ जानकार इसी को देखते हुए 'यूनिफॉर्म सिविल कोड' की जगह 'कॉमन सिविल कोड' की वकालत करते हैं।

कुछ का कहना है कि जब मुस्लिम देशों तक में सुधार किए जा चुके हैं, यहां तक पाकिस्तान में तो 1961 में ही यूसीसी लागू हो गया था, तब भारत में यह क्यों नहीं लागू होना चाहिए? यहां आगे बढ़ने से पहले थोड़ी बात हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) की हो जाए। यूसीसी आया, तो एचयूएफ भी खत्म हो जाएगा। एचयूएफ को 1961 के आयकर अधिनियम में खास रियायतें दी गई हैं। इसके तहत आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को ढाई लाख रुपये की छूट अलग से मिलती है। यह छूट अन्य तरह की 80सी , 80डी , 112ए के तहत मिलने वाली छूट से अलग है। इस छूट से करोड़ों रुपये के आयकर बचाए जाते हैं। हैरत की बात है कि भारत में संयुक्त परिवार की अवधारणा कम हो रही है और एकल परिवारों का चलन बढ़ा है, लेकिन एचयूएफ के तहत आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। साल 2012-13 में यह संख्या आठ लाख के करीब थी, जो 2015-16 में बढ़कर 9.4 लाख को पार कर गई और अब यह 10 लाख से ज्यादा है।

क्या आदिवासी समाज इसे आसानी से स्वीकार कर लेगा? भारत में नौ फीसदी आदिवासी हैं, यानी 12 करोड़ के आसपास। भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू के रूप में पहली बार आदिवासी राष्ट्रपति दिया है, तो क्या वह इतना बड़ा राजनीतिक जोखिम उठाने को तैयार है? यहां पारसी, जैन, बौद्ध, ईसाई जैसे अल्पसंख्यकों का विरोध भी सामने आ सकता है। ऐसे में, होना यह चाहिए कि संसद के अंदर से लेकर सड़क तक यही आवाज उठे कि पहले सरकार यूसीसी का अपना मसौदा सामने रखे, जिस पर संसद में बहस हो और देश भर से सुझाव मांगे जाएं। उत्तराखंड सरकार की तरफ से यूसीसी पर गठित समिति सुझाव मंगवा ही रही है, जिस कारण समिति के पास चार लाख से ज्यादा सुझाव आ चुके हैं। जाहिर है, समान नागरिक संहिता पर चर्चा करना अलग बात है और इसको किस तरह अमल में लाया जाए, बिल्कुल अलग बात।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

चुनाव परिणाम : समीक्षा तो भाजपा भी करे

अवधेश कुमार

चुनाव परिणाम कोई भी हो सार्वजनिक तौर पर पार्टियां अपने अनुसार उनका विश्लेषण करती हैं। हालांकि अंदर से सच्चाई जानने और समझने की कोशिश करती हैं ताकि भविष्य में वो गलतियां फिर ना दोहराई जाए जिनके कारण परिणाम अपेक्षानुरूप नहीं आए। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी लोक सभा उपचुनाव तथा खतौली एवं रामपुर उप चुनाव परिणामों के संदर्भ में भी यही बातें लागू होती हैं। सपा और रालोद निश्चित तौर पर मैनपुरी और खतौली के परिणामों से प्रफुल्ल और उत्साहित होंगे। रामपुर से उन्हें धक्का लगा है, लेकिन इसका कारण वे अपनी दृष्टि से तलाश रहे हैं। यह स्वाभाविक भी है।

भाजपा ने सार्वजनिक तौर पर ऐसा कोई विश्लेषण इन चुनावों का नहीं दिया है, जिसे जमीनी वास्तविकता को समझने वाले स्वीकार कर लें। मैनपुरी में भाजपा ने इतनी बड़ी पराजय की कल्पना नहीं की थी। भाजपा के उम्मीदवार रघुराज शाक्य 2 लाख 88 हजार मतों से डिंपल यादव के हाथों पराजित हुए जो किसी दृष्टि से सामान्य नहीं माना जा सकता। 2019 लोकसभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव स्वयं उम्मीदवार थे तो उन्हें भाजपा उम्मीदवार प्रेम सिंह शाक्य ने जबरदस्त चुनौती दी और वे केवल 94000 वोट के अंतर से जीत सके। तो फिर जीत और हार का अंतर इतना बड़ा क्यों हुआ? भाजपा को इसी तरह खतौली विधान सभा उपचुनाव परिणाम पर भी कठोरता से मंथन करना चाहिए। विधानसभा चुनाव में उसके उम्मीदवार विक्रम सैनी वहां जीते थे, लेकिन हेट स्पीच मामले में उनकी सदस्यता चली गई थी।

जाहिर है, भाजपा को यहां विजय मिलनी चाहिए थी। इसके विपरीत रालोद के मदन भैया ने भाजपा की राजकुमारी सैनी को 22 हजार 165 वोटों से हरा दिया। विधानसभा चुनाव की दृष्टि से यह छोटी पराजय नहीं है। भाजपा यह कह कर आत्मसंतुष्ट हो सकती है कि रामपुर में पहली बार किसी हिन्दू प्रत्याशी और वह भी भाजपा की जीत हुई है। किंतु इन दोनों चुनाव परिणामों का क्या? मैनपुरी के बारे में यह कहना आसान है कि मुलायम सिंह की मृत्यु के कारण उपजी सहानुभूति में लोगों ने उनकी बहू को स्वीकार किया है।

कहा जा सकता है इसमें भाजपा जीत जाती तो बड़ी बात होती। किंतु प्रदेश के राजनीतिक वातावरण को देखें तो भाजपा ने रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में सपा को पराजित किया। आगे इसका विस्तार मैनपुरी तक होना चाहिए था और खतौली तो भाजपा के हाथ से जाने का कोई कारण ही नहीं होना चाहिए। आखिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता के समक्ष प्रदेश में कोई दूसरा नेता नहीं है। गुजरात के बाद उत्तर प्रदेश इस समय हिन्दुत्व के प्रति जन आकषर्ण का सबसे बड़ा मॉडल भी है। उस दिशा में सरकार की नीतियां भी स्पष्ट दिखाई पड़ती हैं। मैनपुरी में ऐसा मानते हैं कि शिवपाल सिंह यादव के साथ आ जाने से जमीनी स्तर पर चुनाव का प्रबंधन काफी सशक्त हुआ। शिवपाल सपा में आ चुके हैं और अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि उनकी भूमिका बड़ी होगी। अखिलेश यादव से नाराज और बिखरे हुए पुराने सपाइयों और समर्थकों को इकट्ठा करने में शिवपाल यादव की भूमिका होगी। भाजपा ईमानदारी से अपने कार्यकर्ताओं से ही फीडबैक ले तो उसे इस संदर्भ में सच्चाई का पता चल जाएगा।

उत्तर प्रदेश और केंद्र का भाजपा नेतृत्व यह हमेशा ध्यान में रखे कि 2022 के विधानसभा चुनाव में जगह-जगह अपने ही कार्यकर्ताओं और समर्थकों का विद्रोह उसे झेलना पड़ा था। पुलिस प्रशासन के रवैये से मंडल और जिला स्तर के पदाधिकारी तक क्षुब्ध और निराश थे। जिस क्षेत्र में जाइए वहीं लोगों की नाराजगी दिखती थी। अंततः दो बातों ने लोगों को भाजपा उम्मीदवारों के लिए काम करने और जिताने को विवश किया। लोगों के अंदर भय था कि सपा वापस हो गई तो अपराध का बोलबाला बढ़ेगा। दूसरे, केंद्र में नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के कारण हिन्दुत्व एक प्रबल मुद्दा बना और उसके प्रति भी आकषर्ण था। मुसलमानों को एकमुश्त सपा के पक्ष में जाते देखने की भी विपरीत प्रतिक्रियाएं हुई। इसमें भाजपा को बहुमत मिल गया। उप चुनावों में वह स्थिति नहीं है। सच यह है कि सरकार वापस आने के बाद अनेक जगह पुलिस और प्रशासन का मनमाना रवैया फिर असभ्य तरीके से सामने आ रहा है। इसे संभालने की आवश्यकता है। पुलिस के व्यवहार के विरु द्ध लोगों में गुस्सा पैदा हुआ। गुंडागर्दी न हो, कानून-व्यवस्था कायम रहे इसके लिए पुलिस की वांछित भूमिका होनी चाहिए। इस समय प्रदेश की पुलिस वांछित भूमिकाओं की सीमा से बाहर आकर भी काम कर रही है। यह स्थिति होगी तो लोगों के अंदर गुस्सा पैदा होगा।

सच यह है कि स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं को भी यह नागवार गुजर रहा था। खतौली से रामपुर में यह स्थिति थी। स्थानीय लोग बता रहे हैं कि पुलिस सीमा से ज्यादा डर का वातावरण बना रही थी। 2017 से 2022 तक की सरकार में आम नेताओं-कार्यकर्ताओं की शिकायत थी कि थानेदार तक उनकी बात नहीं मानते। अगर किसी बात पर संघर्ष करिए तो मुकदमे होंगे, जेल में डाला जाएगा और सार्वजनिक रूप से पुलिस पिटाई भी कर सकती है। नई सरकार में इसकी समीक्षा करते हुए व्यापक सुधार होना चाहिए था। वह नहीं हुआ है। जमीन के कटु यथार्थ को उसी रूप में देखना होगा। इस समय पुलिस सामान्य मामलों में, जिनमें थाने से ही लोगों को छोड़ा जा सकता है, गिरफ्तारियां कर रही हैं और न्यायालय उनको मिनट में जमानत दे दे रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है? कानून और व्यवस्था के नाम पर पुलिस प्रशासन की भूमिका इसी तरह रही तो कोई भी सरकार अलोकप्रिय हो सकती है।

श्रीकांत त्यागी प्रकरण में पुलिस-प्रशासन की भूमिका से पूरे समुदाय में नाराजगी पैदा हुई और वह अभी तक दूर नहीं हुई है। खतौली उपचुनाव में यह साफ देखा गया। अच्छा हो मुख्यमंत्री नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ इन सबकी समीक्षा करें और आवश्यक सुधार के लिए दिशा-निर्देश दें। सरकारी योजनाओं से लेकर विकास के कार्यक्रमों की धरातल पर क्या स्थिति है इसका फीडबैक भी अपने ही परिवार के कार्यकर्ताओं-नेताओं से सतत पाने की ढांचागत व्यवस्था करना आवश्यक है। स्वयं भाजपा और दूसरे साथी संगठनों के कार्यकर्ताओं की ओर से आई सूचनाओं और शिकायतों को गंभीरता से लें अन्यथा राजनीतिक स्थिति धीरे-धीरे प्रतिकूल भी हो सकती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूती के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रम पर विशेष ध्यान दे: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए चलाए जा रहे नरवा, गौठान, रूरल इंडस्ट्रियल पार्क और राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना का लाभ दिलाने पर अधिकारी विशेष ध्यान दे। मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र खल्लारी में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के बाद आज सुबह बागबाहरा रेस्ट हाउस में अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने गोबर खरीदी नहीं होने की शिकायत पर अधिकारियों को गोबर की नियमित खरीदी सुनिश्चित करने का निर्देश दिए। इस दौरान गौठानो में वर्मी कम्पोस्ट में मिट्टी मिलने की शिकायत पर उन्होंने कहा कि खाद में मिट्टी व अन्य मिलावट की किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए, वर्मी कम्पोस्ट के गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन मजदूर न्याय योजना पर चर्चा करते हुए इस योजना से वंचित परिवारों का यथाशीघ्र सर्वे कराकर उन्हें लाभ दिलाने के साथ ही एग्रीकल्चर में नकली कीटनाशक के शिकायत पर भी जांच के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वें अधिक से अधिक किसानों को पैरादान अभियान से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने लोगों को पैरा जलाने से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण व अन्य स्वास्थ्यगत नुकसान के बारे में जागरूक करने को कहा। उन्होंने गांजा और अवैध शराब बिक्री पर पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी हॉस्पिटल में दवाई की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए कहा कि हॉस्पिटल को रेफर सेंटर न बनाएं। उन्होंने ग्राम चुरकी में पानी में फ्लोराइड व किडनी संबधी बीमारी के शिकायत का जल्द समाधान करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जिले के नरवा प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली, इस पर सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि ज़िले में 54 प्रोजेक्ट संचालित हैं, मुख्यमंत्री ने नरवा विकास कार्य में तेज़ी से काम करने और कृषकों को इसकी उपयोगिता भी बताने का निर्देश दिए जिससे जिले में दलहन, तिलहन फसलों को बढ़ावा मिल सके। बैठक में उन्होंने जर्जर स्कूल भवनों के लिए फंड रिलीज करने के निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी को जिन स्कूलों में शिक्षक अनुपलब्ध है वहां समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। स्थानांतरित कर्मचारियों को रिलीव नही करने की शिकायत को जल्दी दूर करने को कहा।

महासमुंद जिला मरार समाज के अभिनंदन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ में शाकंभरी बोर्ड के गठन पर आभार जताया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल महासमुंद जिले के अपने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान आज यहां मरार समाज द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में शामिल हुए। मरार समाज के लोगों ने उनका अभिनंदन करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य में शाकंभरी बोर्ड के गठन के लिए आभार प्रकट किया।

मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के विकास के लिए उल्लेखनीय कार्य कर रही है। मरार समाज के विकास के लिए बोर्ड का गठन किया गया है। इससे सामज के लोगों को आगे बढ़ने में काफी सुविधा होगी। मरार समाज मुख्यतया सब्जी उत्पादक समाज है, सब्जी बेचकर अपने जीवनयापन करने वाले समाज अब आर्थिक रूप से और समृद्ध होगा। साथ ही इससे समाज के लोगों को आगे बढ़ने का उचित अवसर प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले के द्वारा किए गए शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को याद किया और कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बाड़ी विकास योजना के तहत मरार समाज को आगे बढ़ने के लिए बेहतर साधन उपलब्ध हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांव में मरार समाज की बहुलता है वहां स्थापित गौठान में रिपा के माध्यम से उन्हें अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामीण औद्योगिक पार्क के माध्यम से मरार समाज सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में और बेहतर कार्य कर पाएगा। उन्होंने गौठनों में हरी सब्जियों को काटकर सुखाने के लिए उपयोग में आने वाले ड्रायर भी लगाने कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे राज्य में सब्जी उत्पादक किसान अब आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त हो रहे है। इस अवसर पर गृह मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू स्थानीय विधायक एवं संसदीय सचिव श्री विनोद चंद्राकर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं समाज के प्रतिनिधिगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

खास खबर

मुख्यमंत्री बघेल ने रेलवे ओवर ब्रिज का किया लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाक़ात कार्यक्रम के दौरान आज महासमुंद-तुमगांव रोड के रेलवे ओवर ब्रिज का फ़ीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर गृह व ज़िले के प्रभारी मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव व विधायक महासमुंद श्री विनोद चंद्राकर साथ थे। बहुप्रतीक्षित तुमगांव ओवरब्रिज आम जनता के लिए बेहद जरूरी था। इस रेलवे सेतु के बन जाने से शहर वासियों को लगातार लगने वाले ट्रेफ़िक जाम व आने-जाने में होने वाली दिक्कतों से छुटकारा मिल जाएगा। ज़िले की जनता ख़ासकर तुमगाँव की ओर से और महासमुंद की ओर से रोज़ आने-जाने वाली जनता को सरल,सुगम मार्ग मिलेगा। वर्तमान में रेलवे फाटक बंद के कारण जाम की स्थित बन जाती थी। रेलवे ओवरब्रिज बन जाने से उन्हें इससे निजात मिलेगी और समय की भी बचत होगी। गौरतलब है कि तुमगांव रेलवे ओवरब्रिज बन जाने से महासमुंद की क़रीबन 35 हजार से ज्यादा आबादी को सुविधा मिलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 40 करोड़ की लागत से बन कर तैयार होगा। इसमें भू-अर्जन की राशि शामिल नही है। वह राशि अलग से है। ओवरब्रिज की कुल लंबाई 616 मीटर एवं चौड़ाई 15 मीटर है। रेलवे क्रॉसिंग से महासमुंद की ओर 294 मीटर एवं तुमगांव की ओर 248 मीटर तथा रेलवे क्रॉसिंग की लंबाई 74 मीटर है।

किसान हितैषी योजनाओं से खुशहाल हैं छत्तीसगढ़ के अन्नदाता: भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद विधानसभा के शेर गांव भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में आमजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार लोगों के विश्वास के साथ आई है, हमने शपथ लेते ही पहले फ़ैसले में किसानों का ऋण माफ़ किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा सांसद श्री राहुल गांधी ने हमें 10 दिन के भीतर किसानों का कर्ज माफ करने की बात कही थी, जिसे हमने 10 घंटे के अंदर ही पूर्ण किया।

लोगों का विश्वास हमारे साथ है, जिसका परिणाम है कि विधानसभा में हमारी संख्या 71 है। अभी तक छत्तीसगढ़ में 3 चौथाई बहुमत वाली सरकार नहीं बनी है। 17 दिसम्बर को हमारी सरकार के 4 साल पूरे हो रहे हैं। कोरोना काल में 2 साल बीत गया लेकिन हमारा हौसला कमजोर नहीं हुआ। किसानों के हित में राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। हमने किसानों को कृषि उपजों का सर्वाधिक मूल्य दिया। प्रदेश में तिलहन, दलहन और कोदो-कुटकी की भी ख़रीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। किसानों को सभी न्याय योजनाओं की किश्त समय पर मिल रही है, राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किश्त 31 मार्च से पहले उनके खाते में अंतरित कर दी जाएगी। राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से हमारे अन्नदाता खुशहाल है।

मुख्यमंत्री ने किसानों से पैरादान की अपील करते हुए जिले के लोगों को बढ़-चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि पैरा जलाने से जमीन की उर्वरता समाप्त हो रही है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या भी बढ़ रही है, जिससे पूरी दुनिया परेशान है। बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन हो रहा है, इसलिए पैरा नहीं जलाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैरा मवेशियों के काम आएगा, जिससे गौ माता और धरती माता की सेवा होगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल से बात करते हुए किसान विजय चंद्राकर ने बताया कि उनकी 30 एकड़ जमीन है। कर्ज माफी के दौरान उनका लगभग ढाई लाख रुपए का कर्जा माफ हुआ है और बचे हुए पैसों से खेत को विकसित किया है। अब उद्यानिकी फसलों की तरफ आगे बढ़ रहे हैं। ग्रामीण श्री चैन सिंह ने बड़े रोचक अंदाज में चर्चा करते हुए बताया कि राज्य शासन की कल्याणकारी योजनों से किसानों के जीवन में सुधार आया। मुख्यमंत्री ने श्री चैन सिंह को हेलीकॉप्टर में सपत्नी घुमाने के लिए आमंत्रित भी किया। बिरकोनी से आई श्रीमती बिमला साहू ने बताया कि उनके घर में 7 सदस्य हैं, उन्हें 35 किलो चावल और नमक नि:शुल्क मिलता है। शक्कर एक किलो 17 रूपए में लेते हैं। लेकिन मिट्टी तेल 105 रूपये प्रति लीटर की दर से मिलता है, जो बहुत महंगा है और गैस सिलेंडर महंगा होने के कारण उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बताया कि मिट्टी तेल और गैस सिलेंडर की कीमत केंद्र सरकार तय करती है। श्रीमती पुष्पा पाठक ने बताया कि उनका समूह वर्मी कम्पोस्ट बनाता है। समूह के द्वारा अब तक एक लाख 80 हजार रूपए का केंचुआ खाद बेचा जा चुका है और समूह के सदस्यों द्वारा केचुआ का भी विक्रय किया जा रहा है। उससे हुई बचत से उन्होंने गाड़ी भी खरीदी है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता जताते हुए समूह के लिए शेड देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री से बात करते हुए गोधन न्याय योजना की लाभान्वित हितग्राही मंजू यादव ने बताया कि मेरे यहां 60-70 गाये हैं एक क्विंटल दूध होता है, 6 लाख का गोबर बेचा है। योजना का लगातार लाभ मिल रहा है। इससे हुई आय से बाइक और गहने भी खरीदी हैं। शेर ग्राम की निवासी सीताबाई ने बताया कि इतवार के दिन हाट-बाजार में मोबाइल क्लीनिक की गाड़ी आती है, इलाज नि:शुल्क मिलता है। श्री गोप कुमार टंडेकर ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना की 3 किश्ते मिल गई है। उनका एक बच्चा बीएससी और एक बीएड की पढ़ाई कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बच्चों की निर्बाध पढ़ाई के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की। श्री राकेश चन्द्राकर द्वारा बंदोबस्त त्रुटि सुधार की बात कहे जाने पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तीन महीने में कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सुपोषण योजना की जानकारी पूछे जाने पर ग्राम केसवा की श्रीमती उमा यादव ने बताया कि उनके बच्चे का वजन पहले ढाई किलो था लेकिन योजना के तहत गरम और पौष्टिक भोजन मिलने से अब वजन 11 किलो है और स्वस्थ है। किसान विजय चंद्राकर ने बताया कि उनके पास 30 एकड़ जमीन है और उनका ऋण माफी योजना के तहत लगभग ढाई लाख रुपये का कर्ज माफ हुआ।

बिटिया वर्षा के चेहरे पर आएगी मुस्कान

मुख्यमंत्री ने इलाज के लिए हर संभव मदद का दिया आश्वासन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । विधानसभा के अंतर्गत सिरपुर भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने नन्ही बिटिया वर्षा को उसके इलाज के लिए हर संभव मदद किए जाने आश्वस्त किया।

ग्राम मोहकम के निवासी वर्षा के पिता मिथलेश ध्रुव आज अपनी बिटिया की परेशानी मुख्यमंत्री श्री बघेल के समक्ष रखने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचे थे। मिथलेश ने मुख्यमंत्री को बताया कि वर्षा अभी 4 वर्ष की है, बचपन से ही उसके चेहरे का पूर्ण विकास नहीं हुआ है। बच्ची की आंखें कमजोर है और नाक अविकसित है। इस कारण उसे स्वास्थ्य की हमेशा परेशानी रहती है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नन्ही बिटिया वर्षा की तकलीफको समझते हुए तत्काल अधिकारियों को उसके इलाज के लिए हर संभव मदद देने निर्देश दिए और साथ ही पिता मिथिलेश को आश्वस्त किया कि उसके बच्चे का बेहतर से बेहतर इलाज होगा।

मुख्यमंत्री ने किया 136 करोड़ रूपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज देर शाम महासमुंद क्षेत्र में 136 करोड़ 19 लाख 65 हजार रुपए के विकासकार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। महासमुंद सर्किट हाऊस में आयोजि इस कार्यक्रम में 30 करोड़ 7 लाख 37 हजार रुपए के 26 विकास कार्यों का भूमिपूजन-शिलान्यास और 106 करोड़ 12 लाख 28 हजार रुपए के 22 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, संसदीय सचिव श्री विनोद चंद्राकर भी उपस्थित थे।

भूमिपूजन में नवीन सड़क निर्माण, पुल-पुलिया, और नवीन कार्य शामिल हैं। लोकार्पण कार्यों में स्विंगपूल, प्रवेश द्वार सिरपुर, मिनी स्टेडियम फ़ारेस्ट ग्राउंड, मांगलिक भवन, चौपटी एवं बाज़ार निर्माण, आदि शामिल है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल अपने आज प्रदेशव्यापी भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आए थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सिरपुर और ग्राम शेर में आम जनता से भेंट-मुलाकात की और राज्य शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए शासन के साथ-साथ जनसमुदाय को करने होंगे गंभीर प्रयासः राज्यपाल

राज्यपाल सुश्री उइके 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव में शामिल हुईं, जल जीवन मिशन का एप्प किया लॉन्च

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन छत्तीसगढ़ सरकार, एमिटी विश्वविद्यालय रायपुर और यूनिसेफके द्वारा संयुक्त रुप से एमिटी विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर राज्यपाल ने जल जीवन मिशन का एप्प भी लॉन्च किया।

इस अवसर पर राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि हम सभी इस तथ्य से अवगत हैं कि पिछले कुछ दशकों में पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ा है। इसके प्रति पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय मानक संस्थानों ने इस पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भौतिक और प्राकृतिक संसाधनों का नियंत्रित उपयोग करना आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने जल, ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्या पर विचार करने के लिए ऐसे आयोजन को सराहनीय बताया। इसके लिए शासन के साथ सभी लोगों को मिलकर कदम उठाने की आवश्यकता बताई। इस कार्यक्रम से देश-विदेश के शोधार्थी और विद्यार्थी की लाईव भागीदारी पर उन्होंने खुशी व्यक्त की। राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतीय उपमहाद्वीप में बड़ी संख्या में ग्लेशियर पिघलने की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्लेशियरों के पिघलने से पेयजल की समस्या, बाढ़ का खतरा जैसी समस्याएं जन्म लेंगी। जलवायु में परिवर्तन को अब हम विभिन्न क्षेत्रों में महसूस कर सकते हैं। मौसम में परिवर्तन आ गया है। ऋतुओं का चक्र भी बदल गया है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन अचानक से नहीं आया, यह मनुष्य के लालच का परिणाम है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों को दोहराते हुए कहा कि ''प्रकृति मानव की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करती है, किन्तु हर मनुष्य के लालच की पूर्ति नहीं करती''। इसलिए उन्होंने संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से बचते हुए उसका बेहतर उपयोग करने का संदेश दिया। राज्यपाल ने कहा कि हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति में पृथ्वी को हमेशा से माता का दर्जा दिया गया है और उसकी उसी तरह देखभाल की जाती थी, किन्तु औद्योगिकीकरण, आधुनिकीकरण ने इसके महत्व को नजरअंदाज करते हुए इसका अत्यधिक दोहन किया है। इसके परिणाम स्वरूप पर्यावरण में असंतुलन उत्पन्न हो रहा है, परंतु इसके लिए कोई विशेष उपाय नहीं किये जा रहे हैं, जिसके भयावह दुष्परिणाम बड़े शहरों में और अब तो गांवों में भी देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब भूजल का स्तर काफी नीचे चला गया है, जिससें सिंचाई

एवं पेयजल की परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि देश के अन्य भागों की तुलना में छत्तीसगढ़ में स्थिति अधिक नहीं बिगड़ी है। इसके प्रति हम सबको गंभीरतापूर्वक सोचना पड़ेगा और पर्यावरण के संरक्षण पर पहले से अधिक ध्यान देना होगा।

राज्यपाल ने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह कान्क्लेव जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए सहायक सिद्ध होगा, ताकि भारत और विश्व की भावी पीढ़ी शुद्ध पर्यावरण में स्वतंत्र होकर जीवनयापन कर सकें। राज्यपाल ने संविधान के नीति निदेशक तत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान में पर्यावरण संरक्षण को शासन के कर्तव्य के रूप में बताया गया है। इसके लिए शासन-प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही राज्यपाल ने इस समस्या का सामना करने के लिए जनसमुदाय को मिलकर कदम उठाने की बात कही।

राज्यपाल ने कोविड के दौरान उत्पन्न आपदा का जिक्र करते हुए कहा कि पर्यावरण का अनदेखा कर अंधाधुंध रूप से हो रहे आधुनिकीकरण से कई समस्या उत्पन्न हुई हैं। कोविड महामारी के दौरान हमने यह सब महसूस किया है। इसलिए अब हम सभी को प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के बीच रहकर मन को सुकून मिलता है, तनाव दूर हो जाता है। पेड़ों को बढ़ते देखना प्रसन्नता होती है। राज्यपाल ने कहा सिर्फ बातें करने से बदलाव नहीं आता है। इसके लिए हमें व्यापक स्तर पर अभियान चलाने की आवश्यकता है।

टीबी बीमारी लाईलाज नहीं इसके लिए जनजागरूकता आवश्यक-राज्यपाल अनुसुईया उइके

इसके अलावा राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त अभियान के बारे में संदेश देते हुए कहा कि टी.बी लाईलाज बीमारी नहीं है, इससे डरने की आवश्यकता नहीं है। टी.बी. की जांच तथा इसका नि:शुल्क इलाज आप अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में नि:शुल्क करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि टी.बी. के लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराए। टी.बी. उन्मूलन के लिए केन्द्र सरकार कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है, किन्तु इसके लिए जनजागरूकता आवश्यक है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सभी अपने क्षेत्र के लोगों को इस बीमारी एवं सरकार के अभियान दोनो से अवगत कराएं। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा डिजाईन किए गए खादी के कपड़ों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। राज्यपाल ने यूनिसेफऔर एमिटी विश्वविद्यालय को 'जलवायु परिवर्तन' की समस्या के विरूद्ध संगठित एवं संकल्पित प्रयास के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर संचालक जल जीवन मिशन छत्तीसगढ़ टोपेश्वर वर्मा, यूनिसेफछत्तीसगढ़ के प्रभारी अधिकारी श्वेता पटनायक, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष उमेश मिश्रा, एमिटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. डब्ल्यू. सेल्वामूर्ति एवं विश्वविद्यालय कार्य परिषद् के समस्त कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

खास खबर...

युवा कांग्रेस की बुनियादी प्रशिक्षण शिविर, वक्ताओं ने 2023 चुनाव को लेकर भरा जोश

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा क्रांति बुनियादी प्रशिक्षण शिविर में दूसरे दिन कई विषयों पर अलग-अलग वक्ताओं ने युवा कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी को प्रशिक्षण दिया। गुरुवार को कई विषयों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 5 बजे भारत जोड़ो यात्रा के साथ की गई इसमें जैन भवन से लेकर माना कैंप तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई उसके पश्चात राष्ट्रीय प्रभारी युवा कांग्रेश कृष्णा अल्लावरु द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

मुख्य वक्ता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरु युवा कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों को बूथ के बारे में जानकारी दी गई कृष्णा अल्लावरु ने कहा मुझे प्रदेश का वह संगठन अच्छा लगता है जहां प्रदेश स्तर पर नहीं बल्कि बूथ स्तर पर संगठन मजबूत हो जिस प्रकार हाल ही में हुए चुनाव में युवा कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों ने 17 लाख से अधिक सदस्यता कराई इससे साबित होता है कि बूथ स्तर पर युवा कांग्रेस के साथी बेहद मजबूत है इसी ताकत को निरंतर बनाए रखने के लिए आप सभी लगातार बैठ अकेले और बूथ में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की कोशिश करें।

गुरू घासीदास लोक कला महोत्सवः जिला स्तरीय कार्यक्रम 19 दिसंबर को

रायपुर। आदिम जाति तथा अनु.जाति विकास विभाग द्वारा गुरू घासीदास लोक कला महोत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम 19 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से प्रयास बालक आवासीय विद्यालय, सड्डू, रायपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम के लिए नर्तक दल अपनी प्रविष्टि कार्यालयीन अवधि में कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, कमरा नंबर 40 कलेक्टर परिसर रायपुर में 19 दिसंबर तक जमा कर सकते है। वर्ष 2022-23 में गुरू घासीदास लोक कला महोत्सव का राज्य स्तरीय कार्यक्रम जांजगीर चांपा में 23 दिसंबर को होगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में चयनित नर्तक दल को 22 दिसंबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भेजा जाएगा।

रायपुर के बीटीआई मैदान में 25 दिसम्बर तक क्षेत्रीय सरस मेला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गठित महिला स्वसहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी और विक्रय के लिए रायपुर के शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में 15 दिसम्बर से 25 दिसम्बर तक क्षेत्रीय सरस मेला का आयोजन किया गया है। 11 दिनों तक चलने वाले इस मेले में छत्तीसगढ़ के साथ ही कई राज्यों के ग्रामीण समुदायों द्वारा निर्मित सामग्रियों की बिक्री और प्रदर्शन किया जाएगा। मेला में छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के फूड स्टॉल में लोग स्थानीय व्यजंनों का लुत्फ उठा सकेंगे। क्षेत्रीय सरस मेला में असम, गुजरात, मध्यप्रदेश, आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के ग्रामीण समुदायों द्वारा उत्पादित उत्कृष्ट उत्पाद भी प्रदर्शनी-सह-विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। मेलास्थल में शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी होगी। 'बिहान' के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं तथा प्रदेश के गौठानों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में काम कर रहे समूहों द्वारा उत्पादित व निर्मित प्राकृतिक उत्पादों के प्रोत्साहन और विक्रय के लिए आयोजित इस मेला में लोग प्रतिदिन सवेरे दस बजे से रात दस बजे तक प्रदर्शनी, खरीदी, छत्तीसगढ़ी व्यंजनों तथा सांस्कृतिक संध्या का आनंद ले सकेंगे। राज्य शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गांवों की समृद्धि और रोजगार के लिए संचालित छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन - 'बिहान' योजना के अंतर्गत इस क्षेत्रीय सरस मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेला में 'बिहान' के तहत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में गठित महिला स्वसहायता समूहों द्वारा निर्मित कई विशिष्ट जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी-सह-विक्रय की व्यवस्था रहेगी।

मध्यप्रदेश से आए दल ने छत्तीसगढ़ में शिक्षा क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को सराहा

14 सदस्यीय दल ने स्कूलों और डाईट का किया दौरा

रायपुर। नई शिक्षा नीति आने के बाद बच्चों की शिक्षा के स्तर में सुधार हो, इसके लिए हर राज्य के साथ ही छत्तीसगढ़ में प्रयास और नवाचार किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश के राज्य शिक्षा के नीति 14 सदस्यीय दल ने छत्तीसगढ़ में इन्हीं प्रयासों को देखने, समझने के लिए राज्य के स्कूलों और डाईट का दौरा किया। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र के अवर सचिव लोकेश जागिड़ ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में किए जा रहे नवाचार बहुभाषा शिक्षण, कहानी उत्सव, मासिक चर्चा पत्र सराहनीय है। राज्य द्वारा तैयार किया गया प्रिंट रिच मेन्युअल पर किया गया कार्य अनुकरणीय है।

इसी प्रकार राजस्थान के एसपीडी मोहनलाल यादव ने कहा कि जिन स्कूलों में उन्होंने दौरा किया वहां शिक्षा और बच्चों में समन्वय की अच्छी मिसाल देखने को मिली। स्कूलों में समुदाय का रूझान और हस्तक्षेप सराहनीय है। राज्य में संचालित शासकीय स्वामी आत्मानंद स्कूलों मुहैया कराए जा रहे संसाधन सहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की भी उन्होंने प्रशंसा की।

छत्तीसगढ़ राज्य में शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए कार्य कर रही संस्था रूम-टू-रीड के संयुक्त तत्वाधान में यह शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया। दो दिनों के भ्रमण के अनुभवों को साझा करते हुए छत्तीसगढ़ समग्र शिक्षा के प्रबंध संचालक नरेन्द्र दुग्गा ने मध्यप्रदेश से आए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का बड़ा अंचल ग्रामीण और जनजातीय प्रधान है। यहां घर की भाषा के संसाधनों का प्रयोग बच्चों को स्कूल से जोड़ने और मानक भाषा की ओर ले जाने के लिए कारगर हैं। इन्हीं भावनाओं को ध्यान में रखकर प्रदेश में लगातार ऐसे संसाधन विकसित कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए रोचक पाठ्य सामग्री से जोड़ने वाले हैं।

मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र के पदाधिकारी सर्वश्री अशोक पारीक, हर गोविन्द खरे, अजय सक्सेना, लोकेश खरे, बी.पी. गुप्ता, अमित सक्सेना, दामोदर जैन, सुश्री सुषमा भट्ट ने राज्य में चल रहे 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम, बस्तर के स्कूलों में संचालित बहुभाषा कार्यक्रम, कहानी उत्सव आदि कार्यक्रमों की सराहना की।

प्रत्येक श्रमिक को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेः मंत्री डहरिया

श्रम मण्डलों के मनोनीत सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए श्रम मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रम एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा है कि प्रदेश के सभी श्रमिकों को श्रम विभाग की संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, हमारा यह प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में श्रम विभाग प्रदेश के सभी श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। डॉ. डहरिया आज यहां रायपुर के एक निजी होटल में श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में नव मनोनीत सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डॉ. डहरिया ने सभी मनोनीत

सदस्यों को सम्मानित भी किया। डॉ. डहरिया ने मंडलों के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे श्रमिकों के लिए संचालित शासन की सभी योजनाओं से उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

श्रम विभाग के छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के नव मनोनीत सदस्य शुभम साहू, ग्राम पेण्ड्रा, देवरी तह. धमधा जिला (दुर्ग) बेमेतरा, रविन्द्र सिंह अमलीपदर, विकासखण्ड-मैनपुर जिला गरियाबंद और लक्ष्मी देवांगन पीटीयांझर रोड महासमुंद ने शपथ ली। इसी तरह से छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के नव मनोनीत सदस्य रामशंकर साहू बलौदाबाजार, आनंद गिलहरे रायपुर, शीतल दास महंत बिलासपुर, जगदीश वर्मा रायपुर, चूड़ामणी साहू रायपुर, सर्वजीत सिंह रायपुर, सोमेन चटर्जी रायपुर, विरेन्द्र चौहान राजनांदगांव और ज्ञानचंद गोलछा धमतरी ने शपथ ली। इसी प्रकार से छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के नव मनोनीत सदस्य मंगलमूर्ति अग्रवाल रायपुर, आलोक मिश्रा भाटापारा, हरप्रसाद साहू बलौदाबाजार, मदन तालेड़ा रायपुर, नरेश गड़पाल रायपुर, कृष्णा दुबे बालोद और सुरेश मसीह रायपुर ने आज शपथ ली। मंत्री डॉ. डहरिया ने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश के प्रत्येक श्रमिक का पंजीयन श्रम विभाग में कराने के लिए संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार श्रमिकों के बच्चों को शिक्षित करने में सहायता पहुंचाने और उन्हें खेलकूद में आगे बढ़ाने के लिए सहायता पहुंचाने अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। इसी तरह से श्रमिकों को आर्थिक सहायता पहुंचाने सहित उनके सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इसी तरह से मंत्री डॉ. डहरिया ने आज पद भार ग्रहण करने वाले नव मनोनीत सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित समस्त कल्याणकारी योजनाओं तथा प्रदेश के श्रमिक एवं उनके परिवारजनों के हितलाभ के उद्देश्य से होने वाले कार्यों का सम्पूर्ण प्रदेश में और बेहतर क्रियान्वयन करने में भरपूर सहयोग प्रदान करें। जिससे योजनाओं का लाभ श्रमिक और परिजनों तक पहुंचे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष शफी अहमद और छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल और श्रम विभाग के सचिव अमृत खलखो ने विभागीय योजनाओं का विस्तार से जानकारी देते हुए अधिकारियों एवं सदस्यों से श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करने का आग्रह किया। कार्यक्रम को खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेन्द्र छाबड़ा, छत्तीसगढ़ हज कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्रम विभाग अपर आयुक्त एस.जांगड़े ने श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के अवसर पर श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष केशव बंटी हरमुख सहित श्रम मंडलों के अन्य पदाधिकारी सदस्य एवं श्रम विभाग के अधिकारी एवं नागरिक मौजूद थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

‘हसरतें’ में करुणा का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण थाः अदा

‘नागिन’ की अभिनेत्री अदा खान आगामी वेब सीरीज ‘हसरतें’ में करुणा का दमदार किरदार निभाती नजर आएंगी। अदा खान ने कहा कि वह अपनी भूमिका में जो पूर्णता ला सकीं, वह सब निर्देशक हेमंत प्रभु की वजह से है जिनके मार्गदर्शन के बिना वह अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पातीं।

उन्होंने कहा, मेरा किरदार रूढ़िवादी सामाजिक मानदंडों को धता बताते हुए खुद के लिए खड़े होने के लिए लचीलेपन और दृढ़ संकल्प की एक अनूठी यात्रा दिखाता है। अदा खान ‘बेहेन’, ‘अमृत मंथन’, ‘नागिन’ और ‘विश या अमृतः सितारा’ जैसे शो के लिए जानी जाती हैं। 2020 में, उन्होंने रियलिटी शो ‘फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 10’ में भाग लिया। उन्होंने कहा- भावनात्मक रूप से इस तरह के किरदार को निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मेरे एपिसोड के निर्देशक हेमंत प्रभु, जिनके साथ मैंने अतीत में भी काम किया है, ने मुझे इस भूमिका को बहुत जोश और दृढ़ विश्वास के साथ निभाने में मदद की। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस बात पर ध्यान देंगे कि मैं अपने प्रशंसकों और दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ देने के लिए अपने शिल्प को कितनी गंभीरता से लेती हूं।

‘हसरतें’ में पांच महिलाओं की कहानी दिखाई गई है, जो एक आदर्श साथी खोजने के अपने अधिकारों के लिए समाज और अपने परिवार से लड़ती हैं। शकुंतलम फिल्म्स द्वारा निर्मित इस सीरीज में मोनालिसा, अदा खान, कृष्णा मुखर्जी, रवि भाटिया, विन राणा, शिल्पा तुलस्कर, सना सैय्यद, सिद्धार्थ शर्मा, आयुष आनंद और साहिल उप्पल हैं। सीरीज हंगामा प्ले पर स्ट्रीम होगी।

चंदन का तेल होता है कई औषधीय गुणों से भरपूर

ये है इससे मिलने वाले 5 फायदे

सबसे ज्यादा खुशबूदार तेलों में से एक चंदन का तेल सदियों से आयुर्वेदिक चिकित्सा में एक प्रमुख सामग्री रहा है। पारंपरिक भारतीय रीति-रिवाजों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले इस एंटी-सेप्टिक तेल में हल्की मिट्टी की खुशबू होती है। यह प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले रासायनिक यौगिकों से भरपूर होता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। आइए आज चंदन के तेल से होने वाले पांच फायदे जानते हैं।

तनाव और चिंता को कम करने में है मददगार

चंदन का तेल तनाव और चिंता जैसे मानसिक विकारों से राहत दिलाने में मदद करता है। इसमें मौजूद अल्फा सैंटालोल तत्व चिंता और तनाव जैसी समस्याओं को कम करके मन को शांत करने और भावनाओं को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। इसके लिए आप अपनी एड़ियों या कलाई पर चंदन का तेल लगा सकते हैं और इसे सीधे सूंघ भी सकते हैं। यह आपकी नींद की गुणवत्ता में भी सुधार करता है।

त्वचा की समस्याओं से दिलाता है राहत

एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर चंदन का तेल आपकी त्वचा की देखभाल करके इसे स्वस्थ और चमकदार बनाने में सहायक है। यह शरीर से फ्री रेडिकल्स और ऑक्सीडेटिव क्षति को कम करता है। इसके अलावा एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर यह तेज आपकी त्वचा को आराम देता है और दाने और मुंहासों को आने से रोकता है। यह तेल दाग-धब्बों, झुर्रियों और महीन रेखाओं के खिलाफ भी प्रभावी है और उम्र बढ़ने के संकेतों से लड़ता है।

दांतों की करता है रक्षा

चंदन के तेल में ऐसे कई गुण होते हैं जो मुंह में कैविटी पैदा करने वाले बैक्टीरिया के विकास को रोकने में मदद करते हैं और आपके दांतों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। यह आपके मुंह को साफ करने में मदद करता है, मसूड़ों से खून आने का इलाज करता है और मुंह में मामूली घावों को भी ठीक करता है। चंदन का तेल आपके मसूड़ों को भी मजबूत करता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मददगार

चंदन के तेल में हाइपोटेंशन एजेंट होता है जो सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह हृदय संबंधित बीमारियों के विकास के जोखिम को भी कम करता है। इस तेल में एक खास सुगंध पाई जाती है जिससे शरीर के कई जरूरी हार्मोन्स को सक्रिय रखने के साथ-साथ ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी काफी मदद मिलती है, इसलिए चंदन के तेल का इस्तेमाल जरूर करें।

बालों की समस्याओं से दिलाता है राहत

चंदन के तेल में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं जो बालों के झड़ने और डैंड्रफ जैसी बालों की समस्याओं का इलाज करने में मदद करते हैं। यह आपके बालों को मुलायम, चिकना, चमकदार और स्वस्थ बनाता है। इसके अलावा यह सिर में अतिरिक्त सीबम उत्पादन को रोकता है, दोमुंहे बालों का इलाज करता है और आपके बालों में नमी लाता है। इसके इस्तेमाल से आपके स्कैल्प को आराम मिलेगा और आपको बालों के विकास में भी मदद मिलेगी।

बैकलेस ड्रेस में रिया चक्रवर्ती ने दिए ऐसे पोज, नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती आए दिन अपनी बोल्ड और स्टनिंग लुक्स से फैंस के बीच छाई हुई रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसमें रिया चक्रवर्ती बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। रिया चक्रवर्ती हर वक्त फैंस के बीच अपने हुस्न के जलवे बिखेरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती बेहद ही खूबसूरत और हॉट नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपने हर अंदाज से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींचती हुई नजर आती हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का फैशन सेंस हमेशा से ही कमाल का रहता है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रिया ने ब्लैक कलर की बैकलेस ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वो सुपर बोल्ड लुक्स देती हुई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

कैसे निबटें बातूनी बच्चों से?

कानपुर के मालरोड पर बने एक पब्लिक स्कूल की बात है. कक्षा 4 में पढ़ने वाला छात्र प्रदीप हमेशा किसी न किसी से बात करता रहता था. ऐसे में स्कूल के बच्चे परेशान रहते थे. कई बार तो वह टीचर से भी ऐसे सवाल करता था कि टीचर को समझ में नहीं आता था कि वह उसे कैसे समझाए.एक दिन स्कूल में प्रार्थना के दौरान प्रदीप ने अध्यापकों से प्रार्थना को ले कर कई सवाल कर डाले. इस से उस के दोस्त और टीचर के साथ प्रिसिंपल भी परेशान हो गए. जब प्रदीप के सवाल खत्म नहीं हुए तो प्रिसिंपल ने टीचर से कहा कि प्रदीप के मुंह पर टेप चिपका दो. टीचर ने प्रदीप के मुंह पर भूरे रंग की टेप चिपका दी. इस के बाद वह क्लास में गया तो वहां सभी बच्चे उस का मजाक उड़ाने लगे. परेशान हो कर प्रदीप वहां से बाहर चला आया.

इसी स्कूल में उस की मां क्षमा टीचर थी. दूसरे पीरियड की घंटी बजी तो प्रदीप मां के पास गया. मां ने पहले उस के मुंह पर से टेप हटाई और उस से इस के बारे में पूछा तो उस ने घटना की जानकारी दी. क्षमा ने प्रिसिंपल से बात की. प्रिंसिपल ने कहा कि प्रदीप बहुत बातूनी बच्चा है, ऐसे में उस की वजह से पूरी क्लास और स्कूल डिस्टर्ब होता है. काफी समझानेबुझाने पर मामला सुलझा. प्रिंसिपल उसे क्लास में लेने को तैयार नहीं थे तो क्षमा ने प्रिंसिपल और टीचर के खिलाफबच्चे के साथ मारपीट का मुकदमा दायर करने की धमकी दे दी.

हंगामा भी करते हैं बातूनी बच्चे

प्रदीप जैसे बातूनी बच्चे होना कोई नई बात नहीं है. बहुत से बच्चे ऐसे सवाल करते हैं कि उन के जवाब देने मुश्किल हो जाते हैं. ऐसे बातूनी बच्चे केवल बातें ही नहीं बनाते बल्कि कई बार ये अजबगजब शरारतें भी करते हैं, जिस की वजह से बड़ी परेशानी खड़ी हो जाती है. नेहा को शिकायत है कि वह अपने बच्चे को जब भी किसी होटल में ले जाती है, वह वहां खाने की चीजों को ले कर बहुत सवाल करता है. इस के बाद कई खाने वाली चीजें मंगा लेता है और थोड़ाथोड़ा खा कर छोड़ देता है. नेहा कहती है कि वह हद से ज्यादा बातें तो बनाता ही है, कई बार होटल में प्लेट और गिलास भी तोड़ देता है, जिस वजह से कई बार न चाहते हुए भी नेहा को बच्चे पर हाथ उठाना पड़ता है. बातूनी बच्चे केवल छोटी उम्र में ही परेशान नहीं करते, बड़े हो कर भी वे अपनी बातों से लोगों को परेशान करते हैं. अनीता के जुड़वां बच्चे हैं. मजेदार बात यह है कि दोनों ही बहुत बातूनी हैं. स्कूल से ले कर घर तक दोनों की बातें चलती रहती हैं. बातों के चक्कर में वे स्कूल का होमवर्क भी नहीं करते. इस की वजह से स्कूल में रोज उन को सजा मिलती है. अनीता को समझ में नहीं आता कि वह कैसे अपने बच्चों को समझाए. कई बार बच्चों का तनाव पति और घर के दूसरे सदस्यों पर निकल जाता है, उन से झगड़ा हो जाता है. बच्चों का तनाव घरपरिवार के संबंधों से ले कर दोस्तों तक पर भारी पड़ता है. अनीता कहती है कि उस ने अपने बच्चों की देखभाल के लिए नौकरानी रखी थी. बच्चों ने उसे इतना परेशान किया कि वह नौकरी छोड़ कर चली गई. वह बोली, ‘दीदी, आप के बच्चों को संभालना बहुत ही मुश्किल काम है.’

प्यार से संभालिए ऐसे बच्चे

बातूनी बच्चों को तनाव या गुस्से से मत संभालिए. उन्हें प्यार से संभालें. कई बार ऐसे बच्चों की हरकतों पर लोग गुस्सा हो जाते हैं और बच्चों के साथ मारपीट या सजा देने लगते हैं. फिजियोथेरैपिस्ट और पेरैंट्स कोच नेहा आनंद कहती हैं, ‘‘बच्चों का ज्यादा बात करना, उन के द्वारा तरहतरह के सवाल किए जाना स्वाभाविक प्रक्रिया है. कई बार पेरैंट्स, बड़े भाईबहन, रिश्तेदार या टीचर इन सवालों को ठीक से जवाब नहीं देना चाहते. वे बच्चे को बिना ठीक से समझाए उस का मुंह बंद कराने के लिए चुप करा देते हैं. कई बार डांटडपट देते हैं. जब इस से भी बात नहीं बनती तो वे मारपीट या सजा देने तक पहुंच जाते हैं.’’

नेहा आनंद आगे बताती हैं, ‘‘जब बच्चा सवाल करे तो उसे धैर्यपूर्वक सुनें. सवाल गलत हो तो भी उस को प्यार से समझाएं. बच्चे की जिज्ञासा जब पूरी हो जाएगी तो वह संतुष्ट हो जाएगा. अगर सही से बच्चे को समझाया नहीं गया तो उस के मन में गलत बात घर कर जाएगी. ऐसे में कई बार बच्चों का मानसिक विकास रुक जाता है. यही वजह है कि आज बच्चों की शिक्षा में ऐसे तमाम सब्जैक्ट जोड़े गए हैं, जहां उन को सवाल करने की पूरी आजादी दी जाती है. सही जवाब न मिलने से बच्चा कुंठित हो जाता है, वह अपने सवालों के जवाब के लिए दूसरे लोगों के पास जा सकता है, जो हो सकता है कि सवाल के जवाब तो गलत दें ही, उस को गुमराह भी कर बैठें. पेरैंट्स को बच्चों के ये सवाल बहुत महत्त्वपूर्ण नहीं लगते. सही मानो में देखें तो बच्चों के लिए ये सवाल बड़े उपयोगी होते हैं.’’

सवाल दर सवाल

बातूनी बच्चे असल में एनर्जी से भरपूर और ऐक्टिव होते हैं. जब ऐसे बच्चों के साथ सही व्यवहार नहीं होता तो वे चिड़चिड़े और जिद्दी हो जाते हैं. अगर इन बच्चों को सही तरह से संभाल लिया जाए तो ये बहुत इंटैलिजैंट और जीनियस हो जाते हैं. सवाल करने के समय यदि इन बच्चों को रोका जाता है या इन्हें सही जवाब नहीं दिया जाता तो ये दब्बू बन जाते हैं. इन की सवाल करने की आदत खत्म हो जाती है. इस से उन का स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है. इसलिए जरूरी है कि बच्चों की बातों को ठीक से सुना जाए और सही तरीके से उस का जवाब दिया जाए. यह बच्चों के स्वाभाविक विकास में सहायक होता है. बच्चे जिज्ञासू स्वभाव के होते हैं. वे अपने आसपास की चीजों को समझना चाहते हैं. जो बच्चे बातूनी होते हैं उन को एक्सट्रोवर्ट कहा जाता है. उन से किसी भी विषय पर बात करना अच्छा लगता है.

अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर शाहनवाज शेख से रचाई शादी

साथ निभाना साथिया फेम अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने जिम ट्रेनर और बॉयफ्रेंड शाहनवाज शेख के साथ शादी रचा ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए शादी की खुशखबरी दी है। उन्होंने एक निजी समारोह में मुंबई में सात फेरे लिए हैं। शादी के बाद वह एक रिसेप्शन आयोजित कर सकती हैं। इसमें उनके करीबी लोगों और दोस्तों को आमंत्रित किया जाएगा। फैंस सोशल मीडिया पर देवोलीना को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

देवोलीना ने तस्वीरें शेयर करते हुए अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि मैं शोनू की हो गई हूं। चिराग लेकर भी ढूढ़ती तो तुझ जैसा नहीं मिलता। तुम मेरे सभी दर्द और प्रार्थनाओं का जवाब हो। आई लव यू शोनू। हमें अपनी प्रार्थनाओं में रखिएगा और आशीर्वाद बनाए रखिए। तस्वीरों में देवोलीना और शाहनवाज काफी खुश दिख रहे हैं। देवोलीना बिग बॉस 13 और बिग बॉस 15 में भाग ले चुकी हैं।

बॉलीवुड एक्टर अली फजल मेट्रो इन दिनों की शूटिंग में जल्द होंगे शामिल

डायरेक्टर अनुराग बासु की फिल्म मेट्रो..इन दिनों की शूटिंग करने के लिए नए साल में बॉलीवुड एक्टर अली फजल जल्द ही आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के साथ काम काम शुरु करेंगे। यह फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में बॉलीवुड एक्टर अली फजल के अलावा आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता और अनुपम खेर शामिल हैं।

सूत्रों का कहना है कि, डायरेक्टर अनुराग बासु एक सीक्वेल पर काफी समय से प्लानिंग कर रहे थे। लॉकडाउन और माहामारी के बीच उनको इस फिल्म का ख्याल आया और उन्होंने इसके बारे में सोचा। इसके बाद उन्होंने स्क्रिप्ट पर काम शुरु कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कास्टिंग को लेकर भी तलाश शुर कर दी थी।

अनुराग दा ने लूडो में चार लोगों की अलग अलग कहानी भी बेहत खूबसूरती से जोड़कर एक साथ दिखाई थी। इसी तरह से इस फिल्म में भी वह कुछ शानदार दिखाने को पूरी तरीके से तैयार हैं। गौरतलब है कि फिल्म का पहला पार्ट लाइफ इन ए मेट्रो 2007 में रिलीज हुई थी। इसमें धमेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के के मेनन, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत के अलावा कई सितारे शामिल थे।

विवेक अग्निहोत्री ने शुरू की फिल्म द वैक्सीन वॉर की शूटिंग

इस साल अपनी द कश्मीर फाइल्स के साथ भारी सफलता का स्वाद चखने वाले निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने लखनऊ में अपनी अगली परियोजना द वैक्सीन वॉर की शूटिंग शुरू कर दी है। निर्देशक ने अपने फॉलोअर्स के साथ अपडेट साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म के स्क्रिप्ट की एक तस्वीर को शेयर कर कैप्शन दिया, गुड मार्निंग, हम नई चीजों के लिए जीते हैं। नई खुशी। कुछ दिन पहले विवेक ने फिल्म के रिसर्च वर्क की एक झलक शेयर की थी। द वैक्सीन वॉर कोविड-19 महामारी के अनिश्चित समय के दौरान चिकित्सा बिरादरी और वैज्ञानिकों के अंतहीन समर्थन को देखते हुए बनाई गई है।

निर्देशक ने पहले साझा किया है कि इस विषय पर शोध करने और दर्शकों के सामने सही तथ्य पेश करने में लगभग एक साल लग गया। फिल्म की कहानी 3200 पन्नों में लिखी गई है और 82 लोगों ने दिन-रात कहानी पर काम किया। कुशल अनुसंधान करने के लिए, टीम ने वास्तविक वैज्ञानिक और टीका विकसित करने वाले लोगों से मुलाकात की। पल्लवी जोशी द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 अगस्त, 2023 को हिंदी, अंग्रेजी, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़, भोजपुरी, पंजाबी, गुजराती, मराठी और बंगाली सहित 10 से अधिक भाषाओं में रिलीज होने के लिए तैयार है।

सेल्फी से सामने आया अक्षय कुमार का नया लुक

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म सेल्फी अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। अक्षय ने अपने लुक की झलक दिखाते हुए फिल्म के सेट से एक तस्वीर साझा की है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई इस तस्वीर में अभिनेता रंग-बिरंगे फॉक्स फर कोट में पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने यह तस्वीर साझा करते हुए फिल्म और अपने मंत्र के बारे में जानकारी दी है।

अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए अभिनेता ने लिखा, आज के लिए मेरा मंत्र - गर्मी, नमी और फॉक्स फर...सब चलेगा, बस काम कर, काम कर। फिल्म सेल्फी के लिए मस्त नए गाने की शूटिंग कर रहा हूं। आप सभी से 24 फरवरी को सिनेमाघरों में मुलाकात होगी। अभिनेता की इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी कमेंट कर रहे हैं। वरुण धवन ने लिखा, मस्त दिख रहे हो सर।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहस्त उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

प्रधानमंत्री ने किसानों को आधुनिक डिजिटल तकनीक देकर सशक्त और क्षमतावान बनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को आधुनिक डिजिटल तकनीक देकर उन्हें सशक्त और क्षमतावान बनाया है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा किसानों के हित में उठाए गए अनेक क़दमों के बारे में आज नई दिल्ली में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से किसान कई तरह की परेशानियों से बच गए हैं और लूट-भ्रष्टाचार और बिचौलियों से उन्हें मुक्ति मिली है।

प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि डिजिटलाइजेशन के माध्यम से सरकार द्वारा किसानों को दी जाने वाली सहायता राशि अब सीधे किसानों तक पहुंचने लगी है, जिससे किसानों को कारोबार करने के नए मौके मुहैया हुए हैं और वे उनका फायदा उठा पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीज से बाजार तक एक नई अवधारणा बनाई है जिसमें डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन एक चमत्कार साबित हुआ है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस मिशन ने किसान की परिस्थितयों और जीवनस्तर में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि ई-नाम मंडी के जरिए देशभर में 1.74 करोड़ से अधिक किसानों को जोड़ा गया है और 2.36 लाख व्यापारों को ई-नाम के जरिए पंजीकृत किया गया है, जिनके माध्यम से 2.22 लाख करोड़ रूपयों का व्यापार हुआ है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से देश के 11.37 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचा है और इस योजना के माध्यम से इन किसानों के खाते में 2.16 लाख करोड़ रूपए सीधे जमा कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रांति के बाद किसानों कोप्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भी काफी लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि सैटेलाइट के जरिए किसानों की फसल की देखभाल की गई। श्री पटेल ने कहा कि वर्ष 2021-22 में इस योजना के लिए 16 हजार करोड़ रूपए आवंटित हुए और 2016 से 2022 तक 38 करोड़ किसानों को इस योजना में पंजीकृत किया गया और 1,28,522 करोड़ रूपए से अधिक क्लेम का भुगतान किया गया, जबकि 25,185 करोड़ रूपए किसानों द्वारा बीमा प्रीमियम के रूप में दिए गए। श्री पटेल ने कहा कि किसान उत्पादक संघ के तहत 3,855 से भी ज्यादा एफपीओ रजिस्टर्ड किए गए, सॉयल हेल्थ कार्ड के अंतर्गत 22.71 करोड़ कार्ड बनाए गए और देशभर में 11 हजार 531 टेस्टिंग प्रयोगशालाएँ मंजूर की गईं।

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने बताया कि पिछली सरकार के समय में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का आवंटन 6,057 करोड़ रूपए था जबकि मोदी सरकार ने इस योजना में करीब 136 फीसदी का इजाफा करते हुए इसे बढ़ाकर 15,511 करोड़ रूपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि माइक्रो इरिगेशन फंड के तहत 17.09 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए 4710.96 करोड़ रूपयों की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा 5,000 करोड़ रूपए की प्रारंभिक राशि से नाबार्ड में एक सूक्ष्म सिंचाई कोष बनाया गया है और कार्पस फंड 10,000 करोड़ रूपए रखा गया है। श्री पटेल ने ये भी बताया कि पिछली सरकार के समय में कृषि ऋण प्रवाह 7.3 लाख करोड़ रूपए था केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने बढ़ाकर 2022-23 में 18.5 लाख करोड़ रूपए कर दिया है। इसके अलावा किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत पिछली सरकार के समय में 6.46 करोड़ किसान थे, लेकिन आज 9.28 करोड़ किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रह्लाद सिंह पटेल ने बताया कि पिछली सरकार के समय में खाद सब्सिडी (फर्टिलाइजर) 41,853 करोड़ रूपए थी जिसे बढ़ाकर मोदी सरकार द्वारा 62,151 करोड़ रूपए यूरिया पर और 40,073 करोड़ रूपए नॉन यूरिया पर कर दिया गया है।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही किसान रेल की अवधारणा शुरू की, जिसके अंतर्गत देशभर में 167 रूट्स पर 2359 रेलों के फेरे लगे और 7.88 लाख टन से ज्यादा कृषि उत्पाद ढोया गया। उन्होंने बताया कि किसान उड़ान के तहत 33 कार्गो टर्मिनल्स से 12 से ज्यादा कृषि उत्पादों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाया गया।

खास खबर

शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं, वे अपने जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें - कलेक्टर

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि राष्ट्र व समाज के निर्माण में हमारे शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जो एक कुशल कारीगर की भांति देश के भावी भविष्य हमारे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करते हैं। शर्मा आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण पुरस्कार 2022 कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताते हुए अपने जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने को कहा। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बालोद जिले के 18 शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर शर्मा ने पुरूस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को शुभकामना देते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर कार्य करते हुए अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु पूरे मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा। उन्होंने कहा कि शिक्षकीय कार्य एक आदर्श कार्य एवं जिम्मेदारियों से परिपूर्ण होता है। इसलिए हमारे शिक्षकों की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वे अपनी जिम्मेदारियों का पूरी प्रतिबद्धता एवं लगन के साथ निर्वहन करें।

अब अबूझ नहीं रहा अबूझमाड़: छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं ने किया नामुमकिन को मुमकिन

पुल बनने के बाद स्कूल, आंगनबाडी केंद्र स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना हुआ आसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ का अबूझमाड़ कहे जाने वाले क्षेत्र नारायणपुर-बीजापुर-दंतेवाड़ा जिलों जहां तक पहुंचपाना बेहद मुश्किल था। वहां के निवासी चार साल पहले विकास से वंचित थे, परंतु मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं ने इस नामुमकिन को मुमकिन में बदल दिया है और अब वहां विकास की किरण हर घर तक पहुंच रही है।

मानसून के मौसम में इंद्रावती नदी में भारी जल प्रवाह के कारण जून से सितंबर के महीनों में यह क्षेत्र पूरी तरह से अलग-थलग रहता था, लेकिन छत्तीसगढ़ शासन के प्रयासों से इंद्रावती नदी पर छिंदनार पुल का सफलतापूर्वक निर्माण किया गया है और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया है। यह पुल ग्रामीणों के लिए बस्तर क्षेत्र की मुख्य भूमि का हिस्सा बनने की आशा की किरण बन गया है। इतना ही नहीं छत्तीसगढ़ सरकार ने दंतेवाड़ा और बीजापुर से अबूझमाड़ क्षेत्र तक पहुंचने के लिए इंद्रावती नदी पर छह ओवर ब्रिज बनाने की रणनीति तैयार की है।

यहां के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र के गांवों में विकास की कई योजनाएं कई वर्षों से लंबित थीं। 38 करोड़ रुपये की लागत से छिन्दनार गांव में, देवगुड़ी, डेनेक्स टेक्सटाइल फैक्ट्री के पास इंद्रावती नदी पर पुल का निर्माण जैसी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। वहां के ग्रामीणों ने बताया कि करीब चार माह के मानसून सीजन के दौरान इंद्रावती के आसपास का क्षेत्र जिला मुख्यालय से लगभग कट जाता था, ग्रामीणों के पास चिकित्सा की देखभाल की बहुत कम थी और स्वास्थ्य विभाग का यहां कोई पहुंच नहीं थी। पुल निर्माण के बाद इसने रोजगार के नए रास्ते भी खोले हैं और कृषि कार्यों के लिए कनेक्टिविटी की समस्या को भी कम किया है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में कई कारणों से बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही थी। पुल निर्माण के बाद ग्राम पंचायत तुमरीगुंडा में 18 वार्ड में 18 ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली पहुंचाई गई, जिससे 410 परिवार लाभान्वित हुए हैं. इसके साथ ही इन गांवों के स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी सुधार हुआ है, पुल बनने के बाद 108 संजीवनी एक्सप्रेस और 102 महतारी एक्सप्रेस इन गांवों में आसानी से पहुंच रही है।

किसानों ने बताया कि उनके गांव में पुल बनने के बाद अब नदी का पानी खेतों को दिया जा रहा है, साथ ही क्षेत्र की सिंचाई सुविधा में सुधार हुआ है, जिसका लाभ किसानों को भी मिल रहा है, जिससे गांवों में फसलों की पैदावार भी बढ़ेगी। जिला प्रशासन ने बताया कि यह नई पहल दंतेवाड़ा जिले में माननीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार दूरस्थ एवं आंतरिक क्षेत्रों में की जा रही है। जिसके तहत इंद्रावती नदी पर छिंदनार पुल का निर्माण किया गया है, जिसकी लंबाई 712 मीटर है और इसे 2 साल के भीतर पूरा किया गया है।

पटेवा में खोला जाएगा स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद में विभिन्न समाज एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमण्डल से भेंट-मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात के दौरान कहा कि पटेवा में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोला जाएगा।

उन्होंने इस मौके पर एक-एक कर सभी समाज एवं संगठनों के प्रतिनिधियों से सामाजिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी लेने के साथ ही उनसे शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के संबंध में भी फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री को गायत्री परिवार द्वारा यज्ञ में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया। यादव समाज की ओर से गोधन न्याय योजना के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। गायत्री परिवार के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से रेलवे ओवरब्रिज का नामकरण श्रीराम सेतु करने का अनुरोध किया। जैन समाज ने महासमुंद में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से मेडिकल कॉलेज का नामकरण स्वतंत्रता संग्राम सेनानी यति यतनलाल के नाम से करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में प्रस्ताव देने की बात कही। इसी प्रकार गोड़ समाज द्वारा पॉलिटेक्निक कॉलेज का नामकरण शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर करने का आग्रह किया। मुस्लिम समाज ने बावनकेरा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का आग्रह किया। समाज द्वारा डामरीकरण की मांग पर डेढ़ किलोमीटर सड़क के लिए सहमति दी। मुख्यमंत्री ने महानदी के किनारे रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को खेल गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विभिन्न समाजों की मांग पर सामाजिक भवन और अन्य कार्यों के लिए करोड़ों रूपए की स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने लकवा पीड़ित महिला कमला बरिहा को उपचार के लिए एक लाख रूपए की आर्थिक सहायता मंजूर की। उन्होंने गोड़ समाज को जिला स्तरीय भवन के लिए 50 लाख रूपए, साहू समाज को भवन के लिए 30 लाख रूपए, कुर्मी समाज के प्रतिनिधि मंडल के अनुरोध में ट्रस्ट की जमीन के लिए भवन व शेड निर्माण के लिए 20 लाख रूपए, मरार समाज को सामाजिक भवन के लिए 20 लाख रूपए, पटेल समाज को सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रूपए, के लिए 15 लाख रूपए और कोलता समाज को भवन हेतु 10 लाख रूपए स्वीकृत किए।

प्रत्येक जी-20 कार्यक्रम के मेजबान शहर में बाजारों के सौंदर्यीकरण एवं उत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव

कैट ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर जी-20 आयोजनों में व्यापारिक समुदाय को शामिल करने का आग्रह किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीड़िया प्रभारी संजय चौंबे ने बताया कि कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे एक पत्र में उनसे आग्रह किया है कि भारत के जी-20 अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान देश में आयोजित होने वाले विभिन्न आयोजनों में देश के व्यापारी वर्ग की भागीदारी को भी सुनिश्चित करने के आदेश दें ।

श्री मोदी को लिखे अपने पत्र में कैट ने कहा है कि देश का व्यापारिक समुदाय जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनी प्रमुख भूमिका निभाने के लिए बहुत प्रेरित है। कैट ने कहा की जी 20 का अध्यक्षीय कार्यकाल भारत के लिए न केवल हमारे भारत की सदियों पुरानी और जीवंत संस्कृति को प्रदर्शित करने का अवसर है, बल्कि बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और निश्चित रूप से व्यापार के मामले में देश में हुए विकास की गति को प्रदर्शित करने का भी अवसर है। कैट ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी और जी -20 शेरपा अमिताभ कांत को भी इसी आशय का पत्र भेजा है। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष परमानन्द जैन ने बताया कि श्री मोदी को भेजे पत्र में कैट ने कहा है की इस बड़े आयोजन में बड़ी संख्या में विदेशी गणमान्य व्यक्ति और प्रतिनिधि विभिन्न शहरों में मीटिंग आदि करेंगे और निश्चित रूप से संबंधित शहरों में घूमेंगे और खरीदारी भी करेंगे। ऐसे परिदृश्य को देखते हुए प्रत्येक ऐसे शहर के व्यापारिक बाजारों को शहर की पुरानी विरासत और देश में व्यापार और वाणिज्य के विकास को दर्शाते हुए मार्केटों को बेहतर तरीक़े से रोशन किया जाना और सजाया जाना श्रेयस्कर होगा। कैट ने यह भी सुझाव दिया कि जी-20 के कार्यक्रम जिस शहर में हों, उन शहरों में विशेष प्रकार के उत्सव आयोजित किए जाएँ जहां न केवल एक वाणिज्यिक प्रदर्शनी आयोजित की जाए। पारवानी एवं श्री जैन ने बताया कि इस संबंध में कैट ने पृथक रूप से दिल्ली के उप राज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना को एक पत्र भेजकर दिल्ली के बाज़ारों को सजाये जाने तथा राजधानी में एक दिल्ली उत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया है क्योंकि दिल्ली देश की राजधानी है और इस नाते से दिल्ली और देश की समृद्ध सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत से मेहमानों को रूबरू कराया जाना चाहिए जिससे देश की एक छवि स्थापित हो सके। पारवानी और श्री जैन ने कहा कि कैट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन भागीदारी एवं छोटे क्षेत्रों को प्रोत्साहन दिए जाने के विजन से प्रेरित होकर देश भर में विशेष रूप से उन शहरों में जहां जी - 20 बैठकें और अन्य कार्यक्रम होंगे, वहाँ की व्यापारी संगठनों को जी 20 बैठकों और अन्य कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए शहरों को तैयार करने के लिए विभिन्न योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। यह कदम छोटे उद्योगों, स्टार्ट-अप्स, व्यापारियों और घरेलू व्यापार के अन्य कार्य क्षेत्रों के लिए जी -20 और अन्य देशों को अपने उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने का एक अच्छा अवसर होगा। बड़ी कंपनियों के अलावा, छोटे उद्योग और अन्य खुदरा क्षेत्र भी जी - 20 शिखर सम्मेलन के उद्देश्यों और जनादेश में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। श्री पारवानी और श्री जैन ने यह भी कहा कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि 19 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं तथा यूरोपीय संघ के अलावा, 10 अन्य देश विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में और संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन, डब्ल्यूएचओ, आईएमएफ सहित 11 विश्व संगठन, आदि जी-20 की बैठकों में भाग लेंगे और तदनुसार सरकार द्वारा लगभग 200 आयोजनों की योजना बनाई गई है जो विभिन्न शहरों में आयोजित किए जाएंगे और इसलिए ऐसे प्रत्येक शहर में बड़ी संख्या में विदेशी गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों के आने की संभावना है जिससे व्यापार में बड़ी वृद्धि होने की संभावना है।

व्यापार संघों और सरकारी प्रशासन के सहयोग से जी-20 कार्यक्रम के प्रत्येक मेजबान शहर में रोशनी और बाजारों के सौंदर्यीकरण को व्यवस्थित करने के लिए स्वयं सेवी सेवाएँ देने की पेशकश की है।

हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए कर रही लगातार कार्य : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम कें पश्चात महासमुंद जिले में स्वीकृत नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय महासमुंद सत्र 2022-2023 एमबीबीएस अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद के लिए शाम को स्थानीय मंगल भवन पहुंचे। ज्ञात है यहां महासमुंद में वर्ष 2021 में कॉलेज की स्थापना हुई। यहां स्वीकृत 125 सीटर महाविद्यालय में वर्तमान में 119 छात्र-छात्रों का पहला बैच एम.बी.बी.एस. में अध्ययन कर रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आप सब इस कॉलेज के पहले बैच का छात्र बन गए हैं। आपकी जिम्मेदारी समाज के लिए महत्वपूर्ण है। जब कोई भी जीवन और मृत्यु के बीच झूलता है तो डॉक्टर ही महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में जीवनरक्षक के रूप में खड़ा रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना से अंचल में डॉक्टरों की संख्या बढ़ जाएगी। खुशी की बात है कि महासमुन्द में 125 सीटर नवीन मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने उन्हें पेंसिल स्केच भेंट किया। संसदीय सचिव एवं स्थानीय विधायक श्री विनोद चंद्राकर ने महासमुंद में मेडिकल स्थापना के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से ही यह सपना पूरा हो सका। इस अवसर पर गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि महिलांगे एवं मेडिकल कॉलेज के स्टाफ एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान कालेज के प्रथम बैच में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही छात्रा पल्लवी जैन ने छत्तीसगढ़ी में मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। कहा कि हमन ल पढ़े के मौका मिलिस। आप ल बहुत-बहुत धन्यवाद। आप के कारण हमें यहां अवसर मिला। इसी तरह रायगढ़ की छात्रा अपराजिता गुप्ता ने कहा कि जिस तरह आपने सुविधाएं और पढ़ाई का वातावरण महासमुंद जिले में दिए हैं। उससे हमारे डॉक्टर बनने का सपना पूरा हो रहा है। इसी तरह छात्र आर्यन वर्मा- रायपुर ने कहा कि आप हमसे मिलने आए हैं। यह हमारे लिए गौरव का क्षण है। हम आपको बहुत धन्यवाद देते हैं। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिला में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खोलने से हम सबके डॉक्टर बनने का सपना आसान हो गया।

Y Fitness
• Gym Servicing
• Gym Equipment & Accessories Available
• Home Treadmill & Gym Service Available
start 17500/-
Bajaj Finance Available
Shop No. 10, 14, Block, Street No.-7 Dakshin gangotri, Supela, Bhilai Chhattisgarh
Facebook id - Protein Planet Bhilai
9098981555

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

हार्डवेयर दुकान में चोरी, नगदी सहित सीसी कैमरा, डीवीआर व राउटर तक उठा ले गए बदमाश

दुर्ग। जिले के धमधा थाना क्षेत्र में एक हार्डवेयर दुकान में बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। रात को दुकान बंद करने के बाद संचालिका पहले माले में सोने चली गई। रात में चोर दुकान में घुसे और लगभग 70 हजार रुपए पार कर दिए। चोर ने कैश तो पार किया ही साथ ही दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरे, डीवीआर व वाईफाई राउटर भी चुरा लिया। दूसरे दिन दुकान खोलने पर महिला को इसकी जानकारी हुई तो उसने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज किया है।

घटना के संबंध में धमधा पुलिस ने बताया कि वार्ड क्रमांक 02 गंडई रोड निवासी विजयलक्ष्मी साहू की यहां इच्छा ट्रेडर्स के नाम से हार्ड वेयर की दुकान है। दुकान में नल, ट्यूटवेल नल, बिजली फिटिंग का सामान, छड़, सीमेंट आदि मिलता है। 12 दिसंबर की रात दुकान बंद कर ऊपरी मंजिल पर बने मकान में पार्थिया सोने चली गई थी। दूसरे दिन सुबह दुकान पहुंची तो सामने शटर खुला था और दुकान के अंदर का सामान बिखरा हुआ था। गल्ले से 500 के 85 नोट, 200 के 90 नोट गायब थे। वहीं सीसीटीवी कैमरा व उसका डीवीआर तथा राउटर भी चुरा ले गए। महिला की शिकायत पर अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

बिलासपुर में घर में घुसकर प्रिंसिपल की हत्या

हथौड़े से सिर पर किया वार फिर गले में मारा ब्लेड, आरोपी युवक ने किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर शहर में घर में घुसकर एक युवक ने प्रिंसिपल की हत्या कर दी। घटना गुरुवार देर रात की है। हत्या के बाद सनकी युवक ने थाने जाकर सरेंडर भी कर दिया। उसने पुलिस को बताया कि उसे शक था कि उसकी गर्लफ्रेंड के साथ प्रिंसिपल का अवैध संबंध है। इसलिए उसने प्लानिंग करके यह हत्या की है। युवक ने बताया कि उसने प्लानिंग की और घर में घुसकर प्रिंसिपल के सिर पर पहले हथौड़े से चार बार वार किया। इसके बाद भी लगा कि उसकी मौत नहीं हुई, तब सिर में गमला पटक दिया। जाते-जाते गले में ब्लेड मार दिया। यह पूरा मामला तारबाहर थाना क्षेत्र का है।

घर पर अकेले थे पति-पत्नी

पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक ने लिंक रोड निराला नगर के यश बैंक वाली गली में रहने वाले प्रदीप श्रीवास्तव (62) की हत्या की है। मृतक पचपेड़ी स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य के पद पर कार्यरत थे। उनकी पत्नी अनिता श्रीवास्तव भी तिफरा के परसदा स्थित हाईस्कूल में प्राचार्य हैं। वारदारत के वक्त दोनों पति-पत्नी घर पर अकेले थे। पत्नी फर्स्ट फ्लोर में थी और पति ग्राउंड फ्लोर में था। तभी आरोपी ने घर में घुसकर प्रिंसिपल की जघन्य हत्या कर दी।

पड़ोसी ने बुलाया पुलिस

रात को अचानक विवाद होने की आवाज सुनकर मृतक के घर के सामने रहने वाले दीपक अग्रवाल की मां और भाई बाहर निकले। तब तक हमलावर भाग गया था और प्रदीप श्रीवास्तव पोर्च में खून से लथपथ पड़े थे। उन्होंने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। जब तक पुलिस पहुंची प्रिंसिपल की मौत हो गई थी।

थाने जाकर किया सरेंडर

प्रिंसिपल की हत्या के बाद आरोपी युवक उपेंद्र कौशिक (24) तारबाहर थाना सरेंडर करने पहुंच गया। उसे देखकर पुलिस को पहले भरोसा ही नहीं हो रहा था कि वही आरोपी है। युवक मूलत: सिरगिट्टी क्षेत्र के हरदीकला का रहने वाला है और सरकंडा में रहकर पीटीएम में जॉब करता था। हत्या की वजह उसने अवैध संबंध के शक को बताई। फ्लिहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

नशे पर दुर्ग पुलिस की नकेल

बड़ी मात्रा में नशीली दवाइयां बरामद, दो बदमाश गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नशे के कारोबार के खिलाफ दुर्ग पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में वैशाली नगर पुलिस ने नशे की गोलियों के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में नशे की गोलियां बरामद की है। वैशाली नगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 8, 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर सूचना मिली की जवाहर नगर ओमशांति चौक सब्जी मंडी के पास दो व्यक्ति भारी मात्रा में अल्प्राजोलम टेबलेट एवं नाईट्राजेपाम टेबलेट अपने पास रखे हैं और उसे बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहे हैं। सूचन के बाद वैशाली नगर पुलिस की टीम ने कॉलेज के पास घेराबंदी कर कैंप एक निवासी विनोद तिवारी (36) व हाउसिंग बोर्ड निवासी योगेश राव डाहट (34) गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों धारा 8, 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत अग्रिम कार्यवाही थाना वैषाली नगर से की जा रही है। उक्त कार्रवाई में एसीसीयू से प्रआर सत्येन्द्र मंढरिया, आरक्षक अरविन्द्र मिश्रा, राकेश चौधरी, अमित दुबे, भावेश पटेल, नितिन सिंह, राकेश अन्ना, डी प्रकाश एवं थाना वैशाली नगर से सुरेश पाण्डेय, आर विश्वजीत सिंह की भूमिका सराहनीय रही।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव करने वालों पर आरपीएफ ने दर्ज किया एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव करने वालों के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल भिलाई तीन थाने में अपराध दर्ज किया गया है। आरपीएफ ने गाडी संख्या-20826 वंदे भारत एक्सप्रेस पथराव करने वालों के विरुद्ध धारा-154 रेल अधिनियम दिनांक 14.12.2022 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

बता दें गाडी संख्या गाडी संख्या 20826 वंदे भारत एक्सप्रेस में बुधवार शाम 6:09 बजे भिलाई नगर से भिलाई पावर हाउस के मध्य सेक्शन में पत्थरबाजी की गई। इसकी वजह से E-1 के दाहिने तरफ के बाहर का सीशा क्रेक हो गया। जिसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, भिलाई को प्राप्त होते ही निरीक्षक, पूर्णिमा राय बंजारे, अपने मातहत बल सदस्यों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।

निरीक्षक के द्वारा कार्यरत गार्ड वरुण कुमार सिंह से समन्वय करने पर बताया गया कि भिलाई नगर से भिलाई पावर हाउस के बीच मीड सेक्शन उक्त गाडी में पत्थरबाजी हुई। जिस पर अज्ञात के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट भिलाई मे अपराध धारा-154 रेल अधिनियम तहत मामला दर्ज किया गया। मामले संलिप्त व्यक्ति की पतासाजी के लिए जीआरपी एवं स्थानीय पुलिस से समन्वय कर कार्रवाई की जा रही है। आरोपी की पतासाजी के लिए मुखबिर भी तैनात किया गया है।

इसके साथ ही साथ रेलवे के द्वारा रेलवे लाईन के किनारे निवासरत लोगो को समझाईस देकर काउंसलिंग किया जा रहा है। रेलवे की प्रबुद्ध नागरिको एवं आमजनो से भी अपील है कि इस प्रकार की घटनाओं को भविष्य में रोकथाम के लिए अपने आसपास के बस्तीवालों को समझाईश देकर जागरूक करें।

राजधानी में अवैध रूप से टिकट बनाने वाले पकड़ाए, 40 से अधिक टिकट बरामद

रायपुर। रेलवे सुरक्षा बल ने राजधानी रायपुर में दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है जो अवैध रूप से टिकट बनाकर बेचने का काम कर रहे थे। कंप्यूटर दुकान की आड़ में यह दोनों पर्सनल आईडी से टिकट बनाकर बेच रहे थे। इनके पास से आरपीएफ ने 43 टिकट बरामद किया है जिसकी कीमत 70 हजार रुपए से अधिक है। आरपीएफ ने दोनों के खिलाफ धारा 143 रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरी कार्रवाई रेलवे सुरक्षा बल रायपुर मंडल ने मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमिय नंदन सिन्हा निर्देशन व मंडल सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार गुप्ता मार्ग दर्शन किया। आरपीएफने पहली कार्रवाई मंगलवार को की। गुप्तचर शाखा रेलवे सुरक्षा बल रायपुर युनिट आदर्श नगर रायपुर स्थित रॉयल्स कंप्यूटर में जांच की। इस दुकान पर निखिल देवांगन (22) निवासी अवधपुरी भाठागांव मौजूद थ। आरोपी ने तीन अलग अलग पर्सनल आईडी बना रखी थी और उसी से टिकट बनाकर कारोबार करता था। आरपीएफने इसके कब्जे से पास्ट व फ्यूचर की कुल 23 टिकट बरामद किया जिसकी कीमत 46 हजार 716 रुपए है।

आरपीएफने दूसरी कार्रवाई बुधवार को की। जैन टेलीकॉम जल गृह मार्ग थाना-सिटी कोतवाली की जांच के दौरान यहां भी अवैध रूप से टिकट बनाने का पता चला। पुलिस ने यहां जांच की तो यहां पर चंद्रेश जैन (31) नाम का युवक मिला। जो इस दुकान का संचालक है। इसके कब्जे से कुल 20 टिकट बरामद किए गए जिसकी कुल कीमत 26 हजार 521 रुपए है। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 143 रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक/दो/सं.वि./2022/3695 भिलाई, दिनांक 14/12/2022

// फ्री होल्ड हेतु दावा आपत्ति सूचना //

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय महानदी भवन अटल नगर जिला रायपुर के आदेश कमांक एफ-8-5/2022/18 के सम संख्यक आदेश दिनांक 06.07.2022 द्वारा नगरीय निकाय तथा पूर्व विघटित विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वंय के आधिपत्य के 30 वर्षीय लीज होल्ड पर आबंटित/व्यवस्थापित आवासीय भूखंड/भवन को फ्री होल्ड के रूप संपरिवर्तित करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन के लिये निम्नांकित भूखंडधारियों द्वारा आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्यवाही कर फ्री होल्ड के रूप में संपरिवर्तन किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति को इस संबंध में किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से **30 दिवस के भीतर** अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

क्र0	पट्टाधारी का नाम पति/पिता का नाम	योजना का नाम	ब्लॉक क्र0 भूखंड क्र0	आकार
01	श्री आर0आर0 अग्रवाल आ0 स्व0 बनारसी दास अग्रवाल	मो0ने0न0 प0 आ0 यो0	20 सी/2	263.25 व0मी0
02	श्रीमती लता ठाकुर पति श्री गिरवर ठाकुर	शहीद वीर नारायण सिंह नगर	–	55.50 व0मी0
03	श्री संत कुमार मौर्य आ0 श्री रामलच्छन मौर्य	मो0ने0न0 पू0 आ0 यो0	29/17	216 व0मी0
04	श्री शुभम अग्रवाल आ0 श्री मनोज कुमार अग्रवाल	मो0ने0न0 प0 आ0 यो0	18/02	360 व0मी0
05	श्री प्रभात चंद्र स्वाई आ0 श्री भुनेश्वर स्वाई	बालाजी नगर जोन 02 खुर्सीपार	–	99.32 व0मी0
06	श्री विकास कोल्हे आ0 श्री चुड़ामन कोल्हे	राधिका नगर आ0 यो0	41/10-2	135 व0मी0
07	श्री रामखिलावन वर्मा आ0 श्री उदयराम वर्मा	राधिका नगर आ0 यो0	18/08	78.75 व0मी0
08	श्री विक्रम वर्मा आ0 श्री रामखिलावन वर्मा	राधिका नगर आ0 यो0	18/09	78.75 व0मी0
09	श्री शंभुनाथ बैढा आ0 श्री जितेन्द्र नाथ बैढा	न्यू खुर्सीपार व्यवस्थापन	व्यवस्थापन	263.16 व0मी0
10	श्री गिरधारी राम आ0 श्री पांडु राम	मो0ने0न0 पू0 आ0 यो0	75/31	360 व0मी0
11	श्री लोकेश्वर सिंह आ0 स्व0 काशीनाथ सिंह	मो0ने0न0 पू0 आ0 यो0	75/30	360 व0मी0
12	श्री प्रभुनाथ बैढा आ0 श्री भरत बैढा	न्यू खुर्सीपार व्यवस्थापन	व्यवस्थापन	70.5 व0मी0
13	श्रीमती मंजु देवी मित्तल पति श्री सुशील कुमार मित्तल	लिंक रोड केम्प 2	व्यवस्थापन	438 व0फु0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम
भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

मोर मकान, मोर आस के तहत अंतिम सूची प्रकाशित

दुर्ग। नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत मोर मकान मोर आस के हितग्राहियो को आवास उपलब्ध कराने के लिए अंतिम सूची प्रकाशित कर दी गई है। मोर मकान मोर आस के तहत निगम क्षेत्र में निवासरत किरायेदारों से दिनांक 25 नवंबर 2022 से 09 दिसंबर 2022 तक दावा-आपत्ती आमंत्रित किया गया था,जिसका निराकरण पश्चात पात्र तथा अपात्र हितग्राहियों की अंतिम सूची तैयार की गई है। सूची को अवलोकन के लिए दिनाक 13/12/20 22 को डिपो कार्यालय एवं डाटा सेंटर में चस्पा किया गया है,जिसका कार्यालयीन समय में अवलोकन किया जा सकता है । इस सूची को नगर पालिक निगम दुर्ग की वेबसाइट में भी अपलोड किया गया है।

महाविद्यालयों में युवा उत्सव 05 से 07 जनवरी के मध्य होगा आयोजित

भिलाई। हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत आने वाले समस्त महाविद्यालयों में युवा उत्सव 2023 का आयोजन 05 से 07 जनवरी के मध्य किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. प्रषांत श्रीवास्तव ने बताया कि महाविद्यालयों में युवा उत्सव के आयोजन के पश्चात् प्रथम स्थान प्राप्त विजेताओं से युक्त महाविद्यालयों की टीमों के मध्य स्पर्धा आयोजित कर विष्वविद्यालय की टीम बनाने हेतु हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग द्वारा अंर्तमहाविद्यालयीन युवा उत्सव स्पर्धाओं का आयोजन 10 से 12 जनवरी तक किया जायेगा। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान विष्वविद्यालय परिसर में स्थानाभाव के कारण विष्वविद्यालय स्तरीय स्पर्धाओं के आयोजन हेतु विभिन्न महाविद्यालयों को दायित्व सौंपा जायेगा। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि विष्वविद्यालय स्तर पर चयनित होने वाले विद्यार्थी 27 से 31 जनवरी 2023 तक गुलबर्गा विष्वविद्यालय, कर्नाटक में आयोजित होने वाले जोनल युवा उत्सव में हेमचंद यादव विष्वविद्यालय, दुर्ग का प्रतिनिधित्व करेंगे। जोनल स्पर्धा में चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय युवा उत्सव में शामिल होने की पात्रता रखेंगे। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार ऐसोसिएषन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) द्वारा जारी निर्देषों के मुताबिक छत्तीसगढ़ के अधिकांष विष्वविद्यालयों को दक्षिण पूर्वी जोन में रखा गया हैं। युवा उत्सव के आयोजन के संबंध में आज विष्वविद्यालय की कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा ने अधिकारियों को करने के निर्देश दियें।

भगवान को पाना है तो मन को निर्मल बनाना होगा-राष्ट्रसंत बापू चिन्मयानंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति एवं जीवन आनंद फाउण्डेशन द्वारा आयोजित श्रीराम ज्ञान यज्ञ एवं श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के दूसरे दिन कथावाचक राष्ट्रीय संत श्री चिन्मयानंद बापू ने शिव चरित्र को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि माया के कारण अवगुण जन्म लेते हैं, लेकिन श्रीराम की शरण में आकर सारे अवगुण सदगुण में बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम की शरण में ही विश्राम मिलेगा।

उन्होंने कहा कि भगवान को पाना है तो मन को निर्मल बनाना होगा। मन को प्रभु चरण में लगाएं और मन को प्रभु चरण में लगाने रामकथा से बेहतर कुछ भी नहीं। बापू ने कहा कि रामकथा की प्यास हमेशा होनी चाहिए। फिर कथा श्रवण का मौका कही भी मिले, जरूर करें। लेकिन कथा सुनने के भी कुछ नियम है उसका पालन करते हुए कथा का श्रवण कीजिए। बापू ने कहा कि कथा सुनने के लिए जिस तरह महादेव कैलाश से उतरकर धरती पर आए थे उसी तरह अपने अंहकार, पद, प्रतिष्ठा, जाति धर्म को छोड़कर आना होगा। बापू ने कहा कि श्रीराम कथा भारत के चरित्र का पोषण करती है। उन्होंने श्री राम को देश का संयम और भगवान कृष्ण को बुद्धि बताया। चिन्मयानंद बापू ने कहा कि जिनको अपराजित पौरुष और पूर्ण परमात्मा की चाहत होती है, वही भगवान श्रीराम की शरण में आते हैं। इस मौके पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, श्रीरामजन्म उत्सव के जिलाध्यक्ष युवा प्रभाग मनीष पांडेय, जीवन आनंद के फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद सिंह, तेज बहादूर सिहं, पियुष मिश्रा, बुधन ठाकुर, जोगिंदर शर्मा, बंटी पांडेय, रमेश माने, अजय पाठक, राजेश त्रिपाठी, उमेश मिश्रा, अजीत सिंह, प्रकाश यादव, टोपा, श्रीनु, नील मानिकपुरी, शंकर केडिया, पवन भारद्वाज, सोनू शर्मा, आदि मौजूद थे।

महादेव की तरह रखें निष्ठा

चिन्मयानंद बापू ने शिव चरित्र का विश्लेषण करते हुए बताया कि गोस्वामी तुलसीदास ने शिव का चरित्र इसलिए रखा ताकि लोग रामभक्ति में दृढ निष्ठावान बन सकें। भगवान शिव की तरह श्रीराम में अनन्य निष्ठा रखने वाला उदाहरण कहीं अन्यत्र मिलना दुर्लभ है। चिन्मयानंद बापू ने कहा कि भगवान शिव ने निष्पाप सती को केवल इसलिए त्याग दिया क्योंकि श्रीराम की परीक्षा लेने के लिए उन्होंने भगवती सीता का रूप धारण किया। यद्यपि भगवान शिव सीता को अपनी इष्ट देवी के रूप में मानते थे। उन्होंने श्रीराम कथा को आगे बढ़ाते हुए पार्वती के जन्म तथा शिव विवाह के प्रसंग पर रोचक व्याख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि भगवान शिव का स्वरूप लोक कल्याणकारी है। भगवान शिव के त्रिशूल का दर्शन करने से प्राणी के तीनों प्रकार के शूल नष्ट हो जाते हैं। दैहिक, देविक तथा भौतिक संताप शिव भक्तों को छू भी नहीं सकते। भगवान शिव के हाथ में सुशोभित डमरू के नाद से ही वेदों की ऋचाएं, संगीत के सातों स्वर व्याकरण के सूत्रों का सृजन हुआ है। भगवान शिव के भव्य भाल पर सुशोभित गंगा त्रेलोक्य को पवित्र तथा पावन बनाती है।

कथा सुनकर शिव की तरह लौंटे

बापू चिन्मयानंद ने कहा कि रामकथा का श्रवण करने के बाद भगवान शिव की तरह लौटना चाहिए। मन में भगवान राम की छबि लेकर घर को लौटें। रास्ते में व्यर्थ की बातें करने की बजाए हरि चर्चा करें और कथा का चिंतन कर भगवान का स्मरण करें। उन्होंने बताया कि सती की गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने श्रीराम कथा को पूरी निष्ठा के साथ श्रवण नहीं किया। इसलिए वे सीता के वियोग में तड़पते राम को पहचान सकी और वे ही सती दूसरे जन्म में पार्वती बनी। उन्होंने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की तब भगवान शिव ने उन्हें श्रीराम की आज्ञा से पुन: स्वीकार किया।

मंत्रोच्चार से गूंज रहा परिसर

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के दूसरे दिन मंत्रोच्चार से सारा आयोजनस्थल गुंजायमान रहा। लक्ष्मी एवं विष्णु भगवान के सहस्त्र नामों के साथ मुख्य यजमान व अन्य भक्तों ने यज्ञ में आहुतियां डालीं। श्रीराम जन्मोत्सव समिति एवं जीवन आनंद फाउण्डेशन के इस आयोजन में महायज्ञ के दूसरे दिन भक्तों ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर स्वयं को श्रीलक्ष्मीनारायण भगवान से जोड़ा।

प्रशासन तुंहर द्वार अभियान: 5 वार्डो की मौके पर ही कुछ आवेदनों का किया गया निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत शिविर में शासकीय तिलक स्कूल, बैगापारा, वार्ड 05, 06, 07, 08 एवं 09 में शिविर का आयोजन किया गया।वार्डो के हितग्राहियो से मिले कुछ आवेदनों का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया।शिविर में आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी शिविर का निरीक्षण कर जायजा लिया।

इस दौरान वार्ड पार्षद व खेलकुद एवं शिक्षा विभाग प्रभारी मनदीप सिंह भाटिया, एल्डरमेन अजय गुप्ता,पार्षद विजेन्द्र भारद्वाज,उपायुक्त मोहेंद्र साहू,कार्यपालन अभियंता एसडी शर्मा,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उपअभियंता विनोद मांझी,सहायक राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।आयुक्त आईएएस लक्ष्मण तिवारी ने प्रशासन तुंहर द्वार शिविर के दौरान अधिकारियों निर्देश दिए शिविरो का निरन्तर मुनादी करवाये।कल दिनाँक-16 दिसम्बर दिन शुक्रवार को तुलाराम स्कूल, आर्य नगर, दुर्ग वार्ड 10,11, 12 एवं 13 में समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 1,30 बजे तक रखा गया है। इसके अलावा 19 दिसम्बर को शासकीय स्कूल सिकोला भाठा के लिए वार्ड 14,15, 16,17 एवं 18 में शिविर का आयोजन होगा। 21 दिसम्बर को मुख्यमंत्री वार्ड कार्यालय, आदित्य नगर, दुर्ग वार्ड 19,20,21 एवं 22 में शिविर होगा। 23 दिसम्बर को सिंधी धर्मशाला, स्टेशन रोड़ वार्ड 23, 24, 25, 26 में शिविर लगाया जाएगा। हितग्राही शिविर में पेयजल, आवास योजना, राशनकार्ड, सफाई सम्बंधित समस्या, अवैध निर्माण की शिकायत, सड़क बत्ती से सम्बंधित शिकायत अवैध निर्माण की शिकायत, सड़क बत्ती से सम्बंधित शिकायत या मांग, गुमास्ता लायसेंस, जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीयन भी आवेदन कर सकते है।

ब्लास्ट फर्नेस-8 'महामाया' ने 11 मिलियन टन उत्पादन का मनाया जश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता, के नेतृत्व में 15 दिसंबर, 2022 को ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने ब्लास्ट फर्नेस-8 के कंट्रोल रूम में 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन करने का केक काटकर जश्न मनाया। रंगीन गुब्बारों से सज्जित ब्लास्ट फर्नेस-8 के कंट्रोल रूम में आज उत्सव का माहौल था।

विदित हो कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की सबसे बड़ी ब्लास्ट फर्नेस, ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 12 दिसंबर 2022 को 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन को सबसे कम समय में प्राप्त करने वाला सेल की पहला ब्लास्ट फर्नेस बनने में कामयाबी हासिल की है। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी बी पी सिंह भी उपस्थित थे।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (खदान), तपन सूत्रधार, कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन), एम एम गद्रे, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं), एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेषक (सामग्री प्रबंधन) ए के चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा), डॉ ए के पंडा, तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ की उपस्थिति में केक काटा गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (आयरन), तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) सौम्य टोकदार सहित संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा ब्लास्ट फर्नेस-8 बिरादरी उपस्थित थे। संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता ने महामाया टीम के सदस्यों और सभी सहायक शॉप्स और विभागों को समान क्षमता वाले सेल के अन्य दो ब्लास्ट फर्नेसों में सबसे तेज 11 मिलियन टन संचयी उत्पादन करने के लिए बधाई दी। ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 10 मिलियन टन से 11 मिलियन टन की यात्रा को 144 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा किया। टीम महामाया, ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी और संबंधित शॉप्स और विभागों के सदस्यों को बधाई देते हुए श्री दासगुप्ता ने कहा कि यह हम सभी के लिए खुशी का अवसर है कि ब्लास्ट फर्नेस-8 सबसे तेज इस मुकाम को हासिल करने वाला सेल का ब्लास्ट फर्नेस बन गया है। हमें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। मुझे उम्मीद है कि ब्लास्ट फर्नेस-8 में एक त्रुटिहीन सुरक्षा रिकॉर्ड बनाए रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें कच्चे माल की गुणवत्ता में सुधार और स्लैग दर को कम करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें आगे बढ़ने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए एप्लिकेशन तलाशने होंगे। निदेशक प्रभारी बी पी सिंह ने अपने संबोधन में बीएसपी के ब्लास्ट फर्नेस में काम करते हुए अपनी अनुभव को याद किया। उन्होंने कहा कि हमें कोक की दर कम करनी चाहिए, सीडीआई दर बढ़ानी चाहिए तथा साथ ही कार्बन-डाइ-ऑक्साइड उत्सर्जन को भी कम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य कम समय अवधि में अगला मील का पत्थर हासिल करना होना चाहिए।

बीएसपी द्वारा बालोद जिला में दिव्यांगों हेतु आयोजित सर्वे अभियान सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा 12 से 14 दिसम्बर, 2022 तक दिव्यांगजनों को नि:षुल्क सहायक उपकरणों के वितरण हेतु सर्वे एवं जांच षिविर का आयोजन किया गया था। इसके तहत 12 दिसम्बर को दल्ली राजहरा, 13 दिसम्बर को महामाया तथा 14 दिसम्बर को बालोद में सर्वे का आयोजन किया गया। इस तीन दिवसीय षिविर में कुल 287 दिव्यांगों को चयनित किया गया है जिन्हें बीएसपी द्वारा एलिम्को के सहयोग से कुल 725 सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। इस सर्वे अभियान में दल्ली राजहरा के 54 दिव्यांग चिन्हांकित किए गए हैं जिन्हें 100 सहायक उपकरण प्रदान किये जायेंगे। इसी प्रकार दल्ली राजहरा में 35 दिव्यांग चिन्हांकित किए गए हैं जिन्हें 127 सहायक उपकरण तथा अंतिम दिन बालोद में 198 दिव्यांग चिन्हांकित किए गए जिन्हें 498 सहायक उपकरण प्रदान किया जाएगा। विदित हो कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक मिनीरत्न सार्वजनिक उपक्रम 'भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम' (एलिम्को) के सहयोग से इस तीन दिवसीय सर्वे का आयोजन किया गया था। इस प्रकार बालोद जिला में आयोजित इस तीन दिवसीय षिविर में कुल 287 दिव्यांगों को चयनित किया गया है ।

ठंड से बचने के लिए जरूरतमंदों को कम्बल वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस ठिठुरती ठंड से बचने के लिए गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग, द्वारा जरूरतमंदों को नये कम्बल एवं नये गर्म कपड़े का वितरण प्रतिदिन अलग अलग दिन अलग अलग स्थानों में जाकर किया जा रहा है। जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा इस वर्ष अंजोरा चौक से लेकर कुम्हारी चौक तक जितने भी फुटपात है, जहां गरीब, असहाय, विक्षित, एवं जरूरतमंद लोग खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रहे है, ऐसे लोगों को ठंड से बचने के लिए कम्बल का वितरण का कार्य 1 दिसम्बर से प्रतिदिन जारी है।

दिसम्बर के आते ही ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। सुबह आंख खुले तो चारों तरफ धुंध और कोहरे की चादर छाई मिलती है और रात हो तो भी नजारा बदलने का नाम नहीं लेता। हर कोई सलाह देता नजर आ रहा है कि रात को घर से निकलते समय ठंड से बचने के लिए गरम कपड़े साथ रखें, बहुत ज़रूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। ये करें .. वो करें.. लेकिन वो क्या करें खुला आसमान ही जिनकी छत है, धरती की गोद ही जिनका घर है और कपड़ों के नाम पर चंद चिथड़े जिनके शरीर को बमुश्किल ढांपते हैं। क्या ऐसे लोगों के लिए भी हमारे पास कोई सलाह है। वर्तमान में जिनके लिए दो वक्त की रोटी जुटाना मुश्किल हैं वो अपने लिए गर्म कपड़े कहां से लाएं। न जाने कितने बच्चे एवं गरीब इस भीषण सर्दी में कापने को, ठिठुरने को मजबूर होंगे। इस सर्दी को भला वो कैसे झेल रहे होंगे। ना तो उनके पास गर्म कपड़े हैं, ना रजाई या कंबल, ना पेट भरने को रोटी है और ना ही रात गुजारने का कोई ठिकाना। क्या इस ठण्ड में इन अनाथ बच्चों एवं गरीबों के लिए कुछ किया जा सकता है ? संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने बताया कि गत 6 वर्षों कि तरह इस वर्ष भी ठंड में जरूरतमंदों को सहायता करने के उद्देश्य से जन समर्पण सेवा संस्था, दुर्ग द्वारा कम्बल वितरण किया जा रहा है।

महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने स्वास्थ्य विभाग के महकमे की ली महत्वपूर्ण बैठक

निर्माण एवं विध्वंस के मलबे पर कार्रवाई के लिए निगम चलाएगा विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आज महापौर नीरज पाल और निगमायुक्त रोहित व्यास तथा एमआईसी मेंबर व स्वच्छता प्रभारी लक्ष्मीपति राजू ने स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों से लेकर सुपरवाइजर स्तर के कर्मचारियों की बैठक ली। बैठक में 100त्न डोर टू डोर कलेक्शन के साथ ही सूखा कचरा एवं गीला कचरा पृथक-पृथक लेने के निर्देश दिए गए।

वही सूखा कचरा अलग तथा गीला कचरा अलग देने के लिए रहवासियों को जागरूक करने कहा गया। सफाई के लिए रोस्टर सिस्टम का पालन करने के निर्देश दिए गए। एसएलआरएम सेंटर की व्यवस्था सुधारते हुए खाद निर्माण करने कहा गया है। सड़कों की सफाई, नालियों की सफाई पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए तथा शहर में कहीं भी डंपिंग साइट न हो इसके कड़े निर्देश दिए गए। निर्माण एवं विध्वंस के मलबे पर कार्रवाई करने के लिए निगम विशेष अभियान चलाएगा, इसके लिए शेड्यूल तैयार किया जाएगा। सड़कों पर मलबा बिखेरकर सड़क बाधा करने वालों को चेतावनी देने के साथ ही मलबा को हटाने तथा जुर्माना लगाने की कार्यवाही भी की जाएगी, अब इस पर निगम सख्ती दिखायेगा। नालियों पर अतिक्रमण करने वालों को भी नोटिस जारी किया जाएगा और फिर भी नहीं मानने पर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। महापौर एवं आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुपरवाइजर स्तर के कर्मचारी अपने वार्ड क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग करेंगे और सफाई व्यवस्था बेहतर बनाएंगे। नालियों पर कचरा फेंकने वालों पर भी सख्त कार्रवाई करते हुए उनसे जुर्माना वसूल किया जाएगा वही खटाल संचालक यदि सड़कों या नालियों में गंदगी फैलाएंगे तो बड़े जुर्माने की कार्रवाई उनके ऊपर की जाएगी। सिंगल यूज प्लास्टिक पर तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक पर नियमित रूप से कार्रवाई करने के निर्देश बैठक में दिए गए हैं। ऐसे दुकान जहां से कचरा सड़कों व नालियों पर फैलने की संभावना होती है इन दुकान संचालकों को अनिवार्य रूप से सूखा कचरा एवं गीला कचरा के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखना होगा, इसकी नियमित मॉनिटरिंग जोन स्वास्थ्य अधिकारी करेंगे। डस्टबिन नहीं रखने वालों पर भी जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी। सार्वजनिक एवं सामुदायिक सुलभ शौचालय में हमेशा साफ-सफाई तथा बेहतर व्यवस्था बनाएं रखने के निर्देश बैठक में अधिकारियों को दिए गए हैं। स्वच्छता मापदंडों के अनुरूप पूरे कार्यों को करने कहा गया। सफाई व्यवस्था को बेहतर से बेहतर बनाने के लिए टिप्स देने के साथ ही कर्मचारियों से भी सुझाव लिए गए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950